भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

3 सितम्बर- 9 सितम्बर 2025

jagrukjanta.net

भाद्रपद, पक्ष - शुक्ल, तिथि - एकादशी, संवत 2082 पृष्ठ : 8+2 जयपुर, बुधवार वर्ष-11, अंक-27, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886 | सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@gmail.com

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

जनसुनवाई में जनता की आवाज़ बनी प्राथमिकता, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दिए त्वरित समाधान के निर्देश

पारदर्शिता और गति से होगा समाधान-दीया कुमारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सिविल लाइंस स्थित अपने कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित कर नागरिकों से सीधे संवाद साधा। प्रदेशभर से आए नागरिक अपनी समस्याएं और निवेदन लेकर वहां पहुँचे। जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने पेयजल सप्लाई में अनियमितता, सड़कों की मरम्मत, बिजली, नाली, विद्युत आपूर्ति में अवरोध एवं शिक्षा से जुड़ी चुनौतियों को विस्तार से रखा। दिया कुमारी ने प्रत्येक नागरिक की बात धैर्यपूर्वक सुनी और संबंधित विभागों के अधिकारियों को

तत्काल आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान ही जनप्रतिनिधि होने का सर्वोच्च दायित्व है।

इस अवसर पर एक सज्जन ने अपनी पुस्तक का विमोचन भी उपमुख्यमंत्री से करवाया। साथ ही, उपस्थित लोगों ने उनके प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नियमित जनसुनवाई से जनता को अपनी बात रखने और समस्याओं का समाधान पाने का सीधा अवसर मिलता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार की प्राथमिकता पारदर्शी एवं त्वरित कार्यवाही है ताकि प्रत्येक नागरिक तक बुनियादी सुविधाएं सहज रूप से पहुँच सकें। उन्होंने कहा कि "आमजन की समस्याओं का समाधान ही लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक सफलता है।" दिया कुमारी हर सप्ताह सोमवार और मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित करती हैं, जिससे प्रदेशभर से लोग सीधे संवाद कर अपनी समस्याएँ उनके समक्ष रख पाते हैं।

जागरूक खबरें

वीर तेजाजी महाराज का मेला भरा, मंदिर पर ध्वजा चढ़ाई

जयपुर @ जागरूक जनता। उपखण्ड क्षेत्र श्रीरामपुरा गांव में मंगलवार को वीर तेजाजी महाराज के मेले का आयोजन किया गया। मेले की पूर्व संध्या पर । 'एक शाम तेजाजी महाराज के नाम' भजन संध्या का आयोजन भी किया गया। मेले में दोपहर से ही श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया था।जो देर सायं तक चलता रहा। श्रीरामपुरा गांव एवं आस पास के गांवो एवं कालोनियों की महिलाओं एवं पुरुषों ने पारंपरिक वेशभूषा में सज धज कर मेले में भाग लिया। रंगलाल प्रजापति की ओर से मंदिर पर ध्वज चढ़ाया गया। ग्रामीणो ने वीर तेजाजी महाराज की पूजा-अर्चना की और खीर, चूरमा एवं नारियल का भोग लगाया। उन्होंने तेजाजी महाराज से सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। ग्रामीणों द्वारा विशेष पूजा अर्चना की गई तथा आरती कर प्रसाद का वितरण किया गया। इससे पूर्व सोमवार की रात्रि में मंदिर पर 'एक शाम तेजाजी महाराज के नाम' भजन संध्या का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर तेजाजी थान पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई।

राजकीय अवकाश में संचालित निजी विद्यालयों को नोटिस

विद्यालय बंद करने तथा स्पष्टीकरण सहित पालना रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु किया पाबंद

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में हुई कार्रवाई

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बाबा रामदेव जयंती - तेजा दशमी के अवसर पर राज्य सरकार द्वारा घोषित राजकीय अवकाश के दिन कुछ गैर-सरकारी विद्यालयों द्वारा अवकाश घोषित नहीं कर विद्यार्थियों को अध्ययन हेतु बुलाए जाने की शिकायतें कलेक्ट्रेट एवं विभागीय अधिकारियों को प्राप्त हुई। जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के निर्देश पर इन शिकायतों पर तत्परता से संज्ञान लिया गया और संबंधित मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों से वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई। जांच में टिओलर हाई स्कूल सिरसी रोड जयपुर, टिओलर अनबाउण्डेड सिरसी रोड जयपुर, जय श्री पेरिवाल स्कूल वैशाली नगर जयपुर, जय श्री पेरिवाल स्कूल महापुरा जयपुर तथा सवाई मानसिंह विद्यालय रामबाग सर्किल जयपुर के संचालित होने की पुष्टि हुई। इस पर जिला कलक्टर के निर्देशानुसार इन विद्यालयों के सचिवों को तत्काल नोटिस जारी कर विद्यालय बंद करने तथा स्पष्टीकरण सहित पालना रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए पाबंद किया गया। साथ ही जिला कलक्टर के निर्देश पर संबंधित विद्यालयों को यह भी स्पष्ट रूप से अवगत कराया गया है कि भविष्य में राजकीय अवकाश के दिनों में विद्यालय पूर्णतः बंद रखे जाएं और विभागीय आदेशों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही संबंधित मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को भी कठोरता से पालना करवाने और भविष्य में पुनरावृत्ति रोकने हेतु निर्देशित किया है। अवहेलना की स्थिति में तत्काल कार्यवाही हेतु स्पष्ट प्रस्ताव भिजवाने के आदेश भी जारी किए गए हैं।

वर्षाजनित परिस्थितियां: जिला कलक्टर के निर्देश पर प्रशासन की 40 से ज्यादा टीमों ने फील्ड में संभाला मोर्चा

जयपुर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने किया वर्षा प्रभावित इलाकों का निरीक्षण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। वर्षाजनित परिस्थितियों से निपटने के लिए जयपुर जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है, किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। जयपुर जिले में वर्षा से प्रभावित हालातों पर नियंत्रण और राहत व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने स्वयं फील्ड का मोर्चा संभाल रखा है। मंगलवार को उन्होंने कोटखावदा, बस्सी एवं तुंगा सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर वर्षाजनित परिस्थितियों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान डॉ. सोनी ने स्थानीय ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली और तत्काल राहत पहुंचाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जलभराव, डूब क्षेत्र एवं लो-लाइन एरिया में विशेष सतर्कता बरतने के आदेश देते हुए कहा कि आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर संचालित किया जाए। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिला प्रशासन की 40 से अधिक टीमें फील्ड में सक्रिय रूप से तैनात की गई। उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, विकास अधिकारी और संबंधित विभागों के अधिकारियों ने फील्ड में जाकर स्थिति का जायजा लिया एवं जल निकासी सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही को अंजाम दिया।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी जिले में राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं, ताकि जिले के किसी भी हिस्से में आमजन को कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि वर्षाजनित परिस्थितियों से प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता, खाद्य सामग्री एवं चिकित्सा सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जाए। रपट वाले स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षा उपाय किए जाएं और आवागमन पर निगरानी रखी जाए। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने आमजन से अपील की है कि वे जलभराव और वर्षाजनित परिस्थितियों में अतिरिक्त सतर्कता बरतें। किसी भी प्रकार की समस्या आने पर वे नियंत्रण कक्ष अथवा स्थानीय प्रशासन को तुरंत सूचित करें ताकि समय पर राहत पहुंचाई जा सके। साथ ही यह भी अपील की गई है कि बहते पानी की रपट अथवा पुलिया को पार न करें, बच्चों को जलभरे स्थानों और नालों के पास न जाने दें तथा जल स्रोतों से दूर रहें। किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन द्वारा स्थापित बाढ़ नियंत्रण कक्ष से तुरंत संपर्क किया जा सकता है। इस कक्ष के दूरभाष नंबर 0141-2204475 और 0141-2204476 हैं, जहां 24 घंटे संपर्क किया जा सकता है। जिला नियंत्रण कक्ष में प्राप्त शिकायतों पर तुरंत और प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

सीनियर स्टेट लेवल चैंपियनशिप में जयपुर को कांस्य पदक

विद्याधर नगर कॉलेज की ट्विंकल जैसवाल भी टीम में शामिल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ एवं कोटा जिला बॉल बैडमिंटन संघ के संयुक्त तत्वाधान में 8वीं सीनियर राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 29 से 31 अगस्त तक महाराव उम्मेद सिंह स्टेडियम, कोटा में किया गया। महिला वर्ग में राजस्थान की 32 टीमों में जयपुर टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक जीता जबकि बीकानेर टीम ने खिताब जीतकर स्वर्ण और चूरू टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर उपविजेता का रजत पदक जीता। राजकीय महाविद्यालय विद्याधर नगर के प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रहलाद सहाय बुनकर ने बताया कि महाविद्यालय की छात्रा ट्विंकल जैसवाल ने महिला टीम में चयनित होकर अच्छे प्रदर्शन से ट्राफी सहित कांस्य पदक में सहभागी होकर मेडल हासिल किया, जिस पर स्टाफ व विद्यार्थियो में खुशी की लहर दौड़ गई। प्रतियोगिता में जयपुर की महिला टीम की कप्तान चेल्सिया के नेतृत्व में हर्षिता जूनवाल (उपकप्तान), ट्विंकल जैसवाल, कृष्णा कुमावत, कशिश खान, निकिता कँवर, प्रियांशी शर्मा, शुभांगी सोलंकी, शालिनी, हेमलता बाकोलिया ने शानदार प्रदर्शन किया। टीम की मैनेजर आचुकी बाकोलिया तथा टीम के कोच अकरम खान रहें।

बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज में 'ऊर्जा 2025' ओरिएंटेशन कार्यक्रम शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर स्थित बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए तीन दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम "ऊर्जा 2025- नई राहें, नई उड़ान" का का शुभारंभ उत्साहपूर्ण किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज की झलकियाँ प्रस्तुत कर विद्यार्थियों को संस्थान से परिचित कराया गया, जिससे उनके भीतर नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ। पहले सत्र में निदेशक डॉ. संजय बियानी ने कहा कि शिक्षा कमाई नहीं, बल्कि प्रतिभा निखारने का साधन है। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत के महत्व से अवगत कराते हुए प्रतिदिन प्रार्थना, सत्य पालन, सात्त्विक भोजन, व्यायाम, खेलकूद व सह-पाठ्यर म गतिविधियों में भाग लेने, सकारात्मक सोच और जीवन कौशल पुस्तकों का अध्ययन करने की शपथ दिलाई। साथ ही यातायात नियमों का पालन, समयबद्धता, शिष्टाचारपूर्ण व्यवहार, रैगिंग से दूरी, स्वच्छता और उत्साहपूर्वक जीवन जीने का संकल्प भी दिलाया। दूसरे सत्र में डॉ. आरती गुप्ता ने पाठ्यक्रम के उद्देश्य, विषय, व्यावहारिक प्रशिक्षण और शिक्षक की भूमिका पर सत्र दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को सक्रिय भागीदारी, कौशल विकास और अनुभव आधारित प्रशिक्षण का महत्व समझाया और उन्हें भविष्य की तैयारी के लिए प्रेरित किया। आईक्यूएसी प्रमुख प्रो. अपर्णा दीक्षित ने शिक्षकों को बताया कि कैसे वे स्वयं का और विद्यार्थियों का शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण सुनिश्चित कर सकते हैं, जिससे कक्षा का माहौल सकारात्मक और सीखने के लिए उपयुक्त बना रहे। सभी फैकल्टी मेंबर्स द्वारा संकाय परिचय दिया गया, जिसमें नए विद्यार्थियों ने अपने टैलेंट और नृत्य प्रस्तुति से माहौल को आनंदमय बना दिया। अंत में डॉ. सुनीता शर्मा ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

जयपुर हैरिटेज वार्ड 63 रिक्त पद पर उपचुनाव आज

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा बुधवार 3 सितंबर को नगर निगम जयपुर हैरिटेज के वार्ड संख्या 63 के रिक्त पद के लिए उपचुनाव आयोजित होंगें। जिला निर्वाचन अधिकारी (म्युनिसिपल) डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने आदेश जारी कर नगर निगम जयपुर हैरिटेज के वार्ड संख्या 63 के उप चुनाव के लिये संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में स्थित कार्यालयों में मतदान दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है।

दिल की बीमारियों से बचाव और सुरक्षा पर एनआईए में 15 दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए) जयपुर के आयुर-योगा प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी विभाग में 15 दिवसीय शॉर्ट ट्रेनिंग प्रोग्राम इन इंटीग्रेटिव प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी का सफल आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को दिल की बीमारियों से बचाव और सुरक्षा के लिए आधुनिक एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धतियों का समन्वित ज्ञान उपलब्ध कराना रहा।

कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर इंटरडिसिप्लिनरी डीन प्रो. सर्वेश अग्रवाल, विभागाध्यक्ष प्रो. एच.एम.एल. मीणा, प्रो. रामकिशोर जोशी, प्रो. उदयराज सरोज, डॉ. हरीश भाकुनी, डॉ. प्रवीन सावंत, डॉ. दीप्ति बिष्ट, डॉ. अभिषेक उपाध्याय, डॉ. भरत पाठर, डॉ. अक्षय सोलंकी सहित कई वरिष्ठ शिक्षक उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को दिल की बीमारियों से बचाव, समय पर पहचान और उपचार के तरीकों की जानकारी दी। विशेषज्ञों द्वारा पंचकर्म चिकित्सा की जानकारी देने के साथ हृदय रोगों से समय पर बचाव करने के लिए जीवन शैली को सुधारने हमारे दैनिक खान-पान को सही करने, नियमित व्यायाम और योग से जुड़ी जानकारी दी। प्रतिभागियों ने क्रियाशरीर विभाग की अत्याधुनिक लैब, रचना शारीर विभाग और सिमुलेशन लैब का दौरा किया। उन्हें ईसीजी, tmt जैसे आधुनिक उपकरणों से होने वाली हृदय रोगों की जांच के विषय में जानकारी दी गई।

बेसिक लाइफ सपोर्ट तकनीक, योगाभ्यास, केस स्टडी और इंटरएक्टिव सत्रों के माध्यम से व्यावहारिक अभ्यास कराया गया।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर में पंचकर्म विभाग की 6 दिवसीय सीएमई का शुभारंभ

देशभर के चिकित्सक तकनीकी प्रशिक्षण, औषधालय स्तर पर पंचकर्म सेटअप लगाने की लेंगे जानकारी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), जयपुर के पंचकर्म विभाग में सोमवार को 6 दिवसीय सतत् चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो.संजीव शर्मा ने की।

कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने कहा कि इस सीएमई का उद्देश्य आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों के पंचकर्म विषयक ज्ञान एवं कौशल को सुदृढ़ करना है, ताकि वे अपने क्लीनिकल अभ्यास में अधिक प्रभावी ढंग से रोगियों का उपचार कर सकें।

पंचकर्म विभागाध्यक्ष प्रो. गोपेश मंगल ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि इसमें देशभर से आए पंचकर्म चिकित्सकों को विभिन्न रोगों में पंचकर्म चिकित्सा की जानकारी दी जाएगी। साथ ही यह भी सिखाया जाएगा कि औषधालय स्तर पर भी पंचकर्म सेटअप कैसे लगाया जा सकता है और रोगियों को किस प्रकार लाभ दिया जा सकता है। इस दौरान प्रैक्टिकल सत्रों में विशेषज्ञ तकनीकी जानकारी साझा करेंगे। आयोजित विभिन्न सत्रों में देशभर के पंचकर्म विशेषज्ञों ने पंचकर्म चिकित्सा की जानकारी दी।

प्रो. यू.एस. निगम ने "पंचकर्म की परिभाषा, प्रासंगिकता एवं वर्तमान युग में आवश्यकता" विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से बाह्य स्नेह चिकित्सा, बाह्य बस्ती, शिरोधारा और पिझिचिल की चिकित्सीय उपयोगिता पर जानकारी देने के साथ प्रैक्टिकल भी करके दिखाया। डॉ. जितेन्द्र सामल ने "आभ्यंतर स्नेह" विषय पर व्याख्यान दिया। इसमें अच्छ स्नेह एवं विचरण स्नेह की मात्रा, अवधि, औषधि चयन, अनुपान एवं आहार संबंधी नियमों की जानकारी दी गई। उन्होंने स्नेहपान की मात्रा का मानकीकरण, कोष्ठ परीक्षा, संकेत एवं प्रतिषेध पर भी विस्तार से चर्चा की।

06 दिवसीय सीएमई कार्यक्रम के दौरान देशभर से आए पंचकर्म विशेषज्ञ चिकित्सक विभिन्न तकनीकी पहलुओं और रोग उपचार में पंचकर्म की उपयोगिता पर जानकारी एवं प्रशिक्षण देंगे।

मुख्यमंत्री ने ली राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग की समीक्षा बैठक : स्वयं गिरदावरी कर रहे किसान, एग्रीस्टेक ऐप से मिल रहा प्रत्यक्ष लाभ

बजट घोषणाओं के निर्माण कार्य हों समय से पूरे-मुख्यमंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार गुड गवर्नेन्स के मानकों पर खरा उतरते हुए आमजन के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए अधिकारी उनकी नियमित मॉनिटरिंग करें। साथ ही, संबंधित विभागों से समन्वय कर भूमि आवंटन, डीपीआर, टेंडर प्रक्रिया को जल्द पूरा किया जाए, जिससे विकास कार्यों का लाभ लोगों को समय पर मिल सके। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग, तकनीक एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से काश्तकारों को सुविधाएं उपलब्ध कराने में नवाचार कर रहा है। इसी क्रम में किसानों को स्वयं फसल गिरदावरी की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए एग्रीस्टेक मोबाईल ऐप विकसित किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने के लिए इस ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

गांव चलो अभियान से ग्रामीणों तक सुलभ होंगी सरकारी सेवाएं

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 18 सितम्बर से प्रदेशभर में सप्ताह में तीन दिन 'गांव चलो अभियान' संचालित किया जाएगा, जिसमें ग्रामीणों तक सरकारी सेवाओं की सुलभ पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस अभियान के तहत ग्रामीणों के सीमाज्ञान, सहमति विभाजन, नामांतरण आदि लंबित प्रकरणों को निस्तारित किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी व्यक्ति अभियान के लाभों से वंचित ना रहे।

पुराने भवनों की मरम्मत करें, गुणवत्ता का रखें ध्यान

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी गत दो वर्ष के बजट में घोषित भवन निर्माण के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए तय समय में पूरा करें। साथ ही नियमित निगरानी कर इनकी गुणवत्ता पर भी ध्यान रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुराने भवनों का भी आवश्यकतानुसार पुनर्निर्माण एवं मरम्मत की जाए, ताकि सरकारी संसाधनों का अधिकतम उपयोग हो सके। शर्मा ने कहा कि जैसलमेर जिले के सामान्य आवंटन के लंबित आवेदनपत्रों के निस्तारण के लिए योजना बनाई जाए, साथ ही 15 दिन का अभियान चलाकर लंबित प्रकरणों को निस्तारित किया जाए। उन्होंने विभाग की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने के लिए वर्तमान नियमों में यथासंभव संशोधन कर नियमों के सरलीकरण के निर्देश भी दिए। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि फार्मर रजिस्ट्री योजना के माध्यम से किसानों के आधार नम्बर को राजस्व रिकॉर्ड के साथ मेपिंग का कार्य समस्त जिलों में प्रारम्भ कर दिया गया है। अब तक 87 प्रतिशत किसानों की फार्मर आईडी जनरेट की जा चुकी है।

अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में राज्य के 48 हजार 463 गांवों की जिओ रेफरेंस शीट फाइल भू-नक्शा पोर्टल पर अपलोड कर 4.49 करोड़ यूनिक लैंड पार्सल आइडेंटिफिकेशन नम्बर (ULPIN) जारी किए जा चुके हैं। बैठक में राजस्व न्यायालयों के लिए रेवेन्यू कोर्ट मॉर्डनाइजेशन सिस्टम, राजस्व इकाइयों का पुर्नगठन, पूर्णकालिक सरकारी अधिवक्ताओं को रिटेनर शुल्क, उपनिवेशन क्षेत्र में भूमि आवंटन की दर में परिवर्तन, ग्राम दान एवं भूदान अधिनियम सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में राजस्व मंत्री श्री हेमन्त मीणा एवं मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

एससीओ के संयुक्त घोषणापत्र में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र, सभी देशों ने कायराना हरकत की निंदा की

प्रधानमंत्री मोदी ने पाक पीएम शाहबाज के सामने ही कहा दो टूक आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में 'दोहरा मापदंड' स्वीकार नहीं

सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और कई अन्य वैश्विक नेताओं ने हिस्सा लिया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की सोमवार को कड़ी निंदा की और भारत के इस रुख से सहमति जताई कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में किसी तरह का 'दोहरा मापदंड' स्वीकार नहीं किया जा सकता। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में भी यही बात कही। एससीओ के संयुक्त घोषणापत्र में आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की गई। यह घोषणापत्र चीन के तटीय शहर तियानजिन में दो दिन तक चले वार्षिक शिखर सम्मेलन के अंत में जारी किया गया।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका बेहद अहम

एससीओ ने आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ के खिलाफ अपनी मजबूत प्रतिबद्धता दोहराई और इस बात पर जोर दिया कि इन तत्वों का निजी स्वार्थों के लिए इस्तेमाल करना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। घोषणापत्र में कहा गया कि सदस्य देश मानते हैं कि आतंकवाद और चरमपंथ के खतरों से निपटने में संप्रभु देशों और उनकी सक्षम एजेंसियों की भूमिका सबसे अहम है।

दोहराया गया 'एक पृथ्वी एक परिवार, एक भविष्य' का संदेश

इसमें आगे कहा गया कि घोषणा 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के संदेश को दोहराती है। सदस्य देशों ने 3 से 5 अप्रैल 2025 को नई दिल्ली में आयोजित 5वें एससीओ स्टार्टअप मंच के परिणामों का स्वागत किया, जिससे विज्ञान, तकनीकी प्रगति और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग और गहरा हुआ है। सदस्य देशों ने 21-22 मई 2025 को नई दिल्ली में हुई 20वीं एससीओ थिंक टैंक मंच की बैठक को भी महत्वपूर्ण बताया। साथ ही, उन्होंने विश्व मामलों की भारतीय परिषद (आईसीडब्ल्यूए) के तहत काम करने वाले एससीओ अध्ययन केंद्र की सराहना की, जिसने सांस्कृतिक और मानवीय आदान-प्रदान को मजबूत किया है।

जागरूक खबरें

भागवत आरएसएस की समन्वय बैठक में भाग लेने जोधपुर पहुंचे

जोधपुर @ जागरूक जनता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डा मोहन भागवत पांच से सात सितम्बर तक जोधपुर में आरएसएस की होने वाली अखिल भारतीय समन्वय बैठक में भाग लेने जोधपुर पहुंच गए हैं। भागवत इस बैठक में भाग लेने के लिए सोमवार को जोधपुर पहुंचे। प्रांत संघचालक (जोधपुर प्रांत) हरदयाल वर्मा ने बताया कि भागवत बैठक स्थल आदर्श डिफेंस स्पोर्ट्स एकेडमी लाल सागर पहुंचे जहां उनका तिलक लगा कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। तीन दिवसीय इस समन्वय बैठक में संघ से प्रेरित 32 विविध संगठनों के अ भा अध्यक्ष, महामंत्री एवं संगठन महामंत्री सहित प्रमुख पदाधिकारी हिस्सा लेंगे।

राज्यपाल बागडे को सप्तम राज्य वित्त आयोग की अंतरिम रिपोर्ट पेश

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे को मंगलवार को यहां सप्तम राज्य वित्त आयोग 2025- 26 की अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डा अरुण चतुर्वेदी ने राजभवन में बागडे से मुलाकात कर यह रिपोर्ट प्रस्तुत की।

संजय लीला भंसाली के खिलाफ बीकानेर में धोखाधड़ी का मामला दर्ज

बीकानेर @ जागरूक जनता। राजस्थान में बीकानेर के बीछवाल थाने में प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली और उनकी प्रोडक्शन टीम के सदस्यों के खिलाफ धोखाधड़ी, दुर्व्यवहार और आर्थिक नुकसान पहुंचाने के आरोप में इस्तगासा के जरिये मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि जोधपुर निवासी एक लाइन प्रोड्यूसर प्रतीक राज माथुर (37) ने भंसाली और उनकी कंपनी के खिलाफ इस्तगासा के जरिये मामला दर्ज कराया है। यह मामला भंसाली की आगामी फिल्म 'लव एंड वॉर' की बीकानेर में हुई शूटिंग से जुड़ा है, जहां प्रोडक्शन दल पर वायदा खिलाफी और बदसलूकी के आरोप लगाये गये हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और थाना प्रभारी गोविंद सिंह चारण स्वयं इसकी जांच कर रहे हैं।

मोदी ने कहा- 140 करोड़ भारतीय आपके (पुतिन) लिए इस साल दिसंबर में होने वाले हमारे 23वें शिखर सम्मेलन का बेसब्री से इंतजार कर रहे

एससीओ शिखर सम्मेलन

प्रधानमंत्री मोदी व पुतिन ने हाथ मिलाया, गले मिले, हाथ पकड़कर कारपेट पर चले, पाक पीएम शाहबाज खड़े देखते रहे

ये दोस्ती दुनिया देख रही है

ट्रंप के टैरिफ के दबाव के बीच पीएम मोदी ने कहा-भारत और रूस हमेशा सबसे कठिन परिस्थितियों में एक-दूसरे के साथ खड़े

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और रूस हमेशा सबसे कठिन परिस्थितियों में एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हैं। हमारा घनिष्ठ सहयोग केवल दोनों देशों के लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए भी महत्वपूर्ण है

मोदी ने कहा कि यूक्रेन में शांति का रास्ता खोजना मानवता की पुकार

राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात शानदार रही

राष्ट्रपति पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता पर बात करते हुए पीएम मोदी ने बताया कि तियानजिन में एससीओ के दौरान राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात शानदार रही। हमने दोनों देशों के द्विपक्षीय सहयोग मजबूत करने के लिए व्यापार, फर्टिलाइजर, अंतरिक्ष, सुरक्षा और संस्कृति पर बातचीत की। हमने यूक्रेन में शांति बहाल करने से लेकर कई स्थानीय और वैश्विक विषयों पर भी चर्चा की। दोनों देशों की खास और रणनीतिक साझेदारी वैश्विक स्थिरता में अहम भूमिका रही है।

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के तियानजिन में एससीओ सम्मेलन के इतर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में शांति पूरी मानवता की पुकार है। उन्होंने संघर्ष को जल्द खत्म करने और स्थायी शांति स्थापित करने की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने आगे कहा कि हम यूक्रेन में जारी संघर्ष पर लगातार चर्चा करते रहे हैं। हम शांति के लिए हाल के सभी प्रयासों का स्वागत करते हैं। हमें उम्मीद है कि सभी पक्ष सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ेंगे। संघर्ष को जल्द से जल्द खत्म करने और स्थायी शांति स्थापित करने का रास्ता खोजा जाना चाहिए। पीएम मोदी ने आगे कहा कि आपसे मिलना एक यादगार अनुभव होता है, ऐसा मैं हमेशा महसूस करता हूं। हमें कई विषयों पर जानकारी साझा का मौका मिलता है।

मोदी-पुतिन की कार में 45 मिनट सीक्रेट टॉक

चीन में पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात चर्चा में रही। एससीओ सम्मेलन के बाद दोनों में द्विपक्षीय वार्ता हुई। वार्ता से पहले पीएम मोदी और पुतिन ने 45 मिनट तक कार में बातचीत की। सम्मेलन के बाद पुतिन ने मोदी का इंतजार किया और वेन्यू पर पहुंचने के बाद भी दोनों कार में बैठकर बातचीत करते रहे। चीन के तियानजान में सम्मेलन खत्म होने के बाद पीएम मोदी और पुतिन की मुलाकात थोड़ी दूर पर मौजूद एक होटल में शेड्यूल की गई थी। ऐसे में पुतिन ने न सिर्फ काफी देर तक पीएम मोदी का कार में इंतजार किया बल्कि वेन्यू पर पहुंचने के बाद भी दोनों नेता कार में ही बैठकर बातचीत करते रहे।

पीटर नवारो के बयान पर पुरी का जवाब

भारत ने नियमों का पालन किया, रूसी तेल से लाभ नहीं कमाया

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहाकर पीटर नवारो की 'लॉन्ड्रोमैट' वाली टिप्पणी पर पलटवार किया है। पुरी ने कहा कि भारत ने रूसी तेल के

आयात में कोई नियम नहीं तोड़ा और इसका मकसद वैश्विक बाजार को स्थिर रखना था। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत दशकों से पेट्रोलियम उत्पादों का बड़ा निर्यातक रहा है और इसमें कोई मुनाफाखोरी नहीं हुई है। उन्होंने साफ कहा कि भारत ने यूक्रेन युद्ध के बाद रूसी तेल खरीदने में कोई नियम नहीं तोड़ा है और भारत की ऊर्जा व्यापार नीति ने वैश्विक बाजार को स्थिर रखने और कीमतों को नियंत्रित करने में मदद की है। पिछले हफ्ते पीटर नवारो ने एक्स पर कई पोस्ट में यूक्रेन युद्ध को 'मोदी का युद्ध' बताया और कहा कि भारत रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की 'युद्ध मशीन' को फंड कर रहा है।

मोदी-पुतिन-जिनपिंग की केमेस्ट्री से ट्रंप के तेवर पड़े नरम, कहा

भारत-अमेरिका का रिश्ता 21वीं सदी के लिए निर्णायक

एससीओ सम्मेलन में जिस तरह से भारत-चीन और रूस के रिश्तों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है, उससे कहीं न कहीं अमेरिका को चिंता हुई है कि भारत, शायद उनके पाले से छिटक सकता है, यही वजह है कि अमेरिकी दूतावास ने तुरंत ट्वीट कर भारत-अमेरिका के संबंधों को अहम बताया। अमेरिकी दूतावास ने लिखा कि अमेरिका और भारत के बीच साझेदारी लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है। यह 21वीं सदी का एक निर्णायक रिश्ता है। हम उन लोगों, प्रगति और संभावनाओं पर प्रकाश डाल रहे हैं जो हमें आगे बढ़ा रहे हैं। नवाचार और उद्यमिता से लेकर रक्षा और द्विपक्षीय संबंधों तक, यह हमारे दोनों देशों के लोगों के बीच की स्थायी मित्रता ही है जो इस यात्रा को ऊर्जा प्रदान करती है।

सम्पादकीय

एससीओ में भारत ने एक तीर से लगाए दो निशाने

एससीओ समिट के दूसरे दिन भारत को बड़ी सफलता मिली है। समिट के दौरान भारत के प्रस्ताव को मंजूर करते हुए पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ की मौजूदगी में पहलगाम हमले की निंदा की गई। घोषणा पत्र में कहा गया कि इस हमले के अपराधियों, आयोजकों और उन्हें समर्थन देने वालों को सजा दिलाना जरूरी है। इस साल 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। याद रहे, इससे पहले जून में हुई रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान एससीओ के घोषणापत्र में पहलगाम हमले का जिक्र भी नहीं था। इसे लेकर भारत ने नाराजगी जताई थी और इस पर साइन करने से इनकार कर दिया था। अब भारत की कुटनीति रंग लाई है। न केवल भारत के प्रस्ताव पर मुहर लगी बल्कि आतंकवाद पोषक पाकिस्तान को करारा झटका भी लगा है। एससीओ यानि शंघाई सहयोग संगठन एक स्थायी अंतर-सरकारी अंतरराष्ट्रीय संगठन है। समिट का मतलब है संगठन के सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों की सालाना बैठक, जिसमें देश आपस में राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य सदस्य देशों के बीच आपसी विश्वास, सहयोग और अच्छे संबंध स्थापित करना है। यह संगठन मध्य एशिया में क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को बनाए रखने पर जोर देता है। आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ से मिलकर लड़ना इसका एक प्रमुख मकसद है। इसका मकसद सदस्य देशों के बीच आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यह शिखर सम्मेलन सदस्य देशों के नेताओं को एक मंच पर लाता है, जिससे वे द्विपक्षीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा कर सकें और आपसी समझ को मजबूत कर सकें। यह एससीओ सदस्य देशों के बीच सांस्कृतिक और मानवीय संबंधों को भी बढ़ावा देता है। संगठन में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और ईरान सदस्य देश हैं। अब संगठन का महत्व इसलिए भी बढ़ गया है कि पहले चीन और अब भारत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर हैं, लेकिन अब सम्मेलन के दौरान नरेन्द्र मोदी, शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन की गर्मजोशी देखकर पहली बार अमेरिका की घबराहट सामने आई है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो को अब बयान जारी करना पड़ा है, जिससे साफ जाहिर हो रहा है कि अमेरिका पहली बार प्रेशर में है और भारत जिस रणनीति पर काम कर रहा है, वो कामयाब दिख रहा है। अमेरिका के विदेश सचिव मार्बो रूबियो ने एक बयान जारी करते हुए कहा है कि भारत और अमेरिका के बीच की साझेदारी लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है, जो 21वीं सदी का निर्णायक रिश्ता है। कल तक भारत को गरियाने वाला अमेरिका अब रिश्तों की दुहाई दे रहा है। उनके इस बयान से साफ है कि भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने वाला अमेरिका भारत, चीन, रूस गठजोड़ से खास परेशान है। तस्वीर साफ है कि भारत ने एक तीर से दो निशाने लगा दिए हैं। एक तरफ तो समिट में पहलगांव हमले की निंदा होने और आतंकवाद को कुचलने के प्रस्ताव से पाकिस्तान को झटका लगा है, वहीं समिट की गर्मजोशी से अमेरिका सोचने को मजबूर है। इसका असर आने वाले कुछ दिनों में दिखाई देगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि एक के बाद एक भारत के खिलाफ फैसले लेने वाले ट्रंप अब क्या करते हैं।

विरोध हुआ, पर मानसून सत्र बहुत कुछ दे गया

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक चला। इस दौरान 32 दिनों में कुल 21 बैठकें हुईं। सत्र में 14 विधेयक लोकसभा में पेश किए गए, एक विधेयक वापस लिया गया और 15 विधेयक लोकसभा और राज्यसभा दोनों से पारित हुए। बार-बार के व्यवधानों के चलते संसद की कार्यवाही बराबर प्रभावित होती रही। लेकिन बावजूद इसके सत्र में कुछ अहम विधेयक पेश और पारित किए गए। समूचे सत्र के दौरान लोकसभा में लगभग 31 प्रतिशत कार्य हुआ, जिसमें 120 घंटे के कुल समय में से केवल 37 घंटे की ही कार्यवाही हो पाई। जबकि राज्यसभा में लगभग 39 प्रतिशत कार्य हो सका, जिसमें कुल 41 घंटे 15 मिनट तक ही कार्यवाही हुई। दोनों सदनों में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तृत बहस शामिल रही। लोकसभा में इस मुद्दे पर 18 घंटे 41 मिनट तक चर्चा हुई, जिसमें 73 सांसदों ने भाग लिया और प्रधानमंत्री ने जवाब दिया, जबकि राज्यसभा में इसी मसले में 16 घंटे 25 मिनट की चर्चा के दौरान 65 सांसदों ने हिस्सा लिया और गृहमंत्री ने जवाब दिया। विपक्ष के तमाम विरोध के बाद भी यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की जन कल्याणकारी सरकार द्वारा सत्र में कई अहम विधेयक पारित किए गए, जिनमें आयकर (संशोधन) विधेयक 2025, राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक 2025, ऑनलाइन गेमिंग (प्रोत्साहन और विनियमन) विधेयक 2025, पोर्ट्स और शिपिंग से जुड़े पांच विधेयक, भारतीय प्रबंधन संस्थान (संशोधन) विधेयक 2025 और खनन एवं खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक 2025 शामिल हैं। दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक 2025 और जन विश्वास (संशोधन) विधेयक 2025 को चयन समिति के पास भेजा गया, जबकि संविधान (130वां संशोधन) विधेयक 2025, केंद्रशासित प्रदेश शासन (संशोधन) विधेयक 2025 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025 को संयुक्त समिति को सौंपा गया।

इसके अलावा मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को 13 अगस्त 2025 से अगले छह महीने के लिए बढ़ाने की मंजूरी दी गई और राज्य का बजट एवं विनियोग विधेयक भी पारित किया गया। भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) पर पहुंचने और 'विकसित भारत 2047' में अंतरिक्ष कार्यक्रम की भूमिका पर भी चर्चा शुरू हुई, लेकिन बार-बार के व्यवधान के कारण यह पूरी नहीं हो सकी। आयकर (संशोधन) विधेयक 2025 12 अगस्त को संसद में पारित किया गया। नया अधिनियम कोई नई कर दर लागू नहीं करता है और केवल भाषा को सरल बनाता है, जो जटिल आयकर कानूनों को समझने के लिए आवश्यक था।

राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक 2025 में राष्ट्रीय खेल निकायों की स्थापना का प्रावधान है राष्ट्रीय ओलंपिक समिति, राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति जैसे निकायों को राज्य और जिला स्तर पर सहयोगी इकाइयां स्थापित करनी होंगी। इन निकायों को नैतिकता संहिता बनानी होगी, साथ ही शिकायतों का निपटारा करने के लिए भी एक समिति का गठन करना होगा। राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम में राष्ट्रीय खेल बोर्ड की स्थापना का भी प्रावधान है। ये खेल बोर्ड राष्ट्रीय खेल सोसिएशंस को मान्यता देने और उनके संचालन पर निगरानी रखेगा।ऑनलाइन गेमिंग (प्रोत्साहन और विनियमन) विधेयक 2025 संसद द्वारा 21 अगस्त 2025 को पारित किया गया। यह विधेयक नागरिकों को ऑनलाइन मनी गेम्स के खतरे से बचाने के साथ-साथ अन्य प्रकार के ऑनलाइन गेम्स को बढ़ावा देने और विनियमित करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। यह कानून त्वरित धन कमाने के भ्रामक वादों पर फलने-फूलने वाले शिकारी गेमिंग प्लेटफॉर्म्स की लत, वित्तीय बर्बादी और सामाजिक संकट को रोकने के लिए बनाया गया है। पोर्ट्स और शिपिंग से जुड़े पांच बड़े समुद्री विधेयक भी पारित हुए हैं, जिन्हें भारत की समुद्री अर्थव्यवस्था और व्यापार जगत के लिए ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। इन नए कानूनों का उद्देश्य औपनिवेशिक युग के पुराने समुद्री कानूनों की जगह आधुनिक और वैश्विक मानकों के अनुरूप नियम लागू करना है, जिससे न केवल व्यापार आसान होगा बल्कि लागत में भी कमी आएगी। इसके अलावा भारतीय प्रबंधन संस्थान (संशोधन) विधेयक 2025 18 अगस्त, 2025 को लोकसभा में पेश किया गया। यह विधेयक भारतीय प्रबंधन संस्थान अधिनियम, 2017 में संशोधन का प्रयास करता है। यह अधिनियम भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) को राष्ट्रीय महत्व के

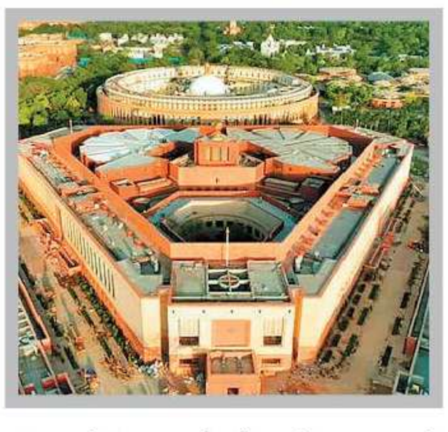

संस्थान घोषित करता है और उनके कामकाज को विनियमित करता है। खनन एवं खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक 2025 का उद्देश्य महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों पर विशेष ध्यान देते हुए भारत के खनिज क्षेत्र को और अधिक उदार और आधुनिक बनाना है। विधेयक के जरिये मूल खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 में संशोधन किया गया है। संशोधन विधेयक में खनन ढांचे को आधुनिक बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए हैं, जिसमें खनन पट्टाधारक अब अतिरिक्त रायल्टी का भुगतान किए बिना अपने मौजूदा परिचालन में नए खनिजों, विशेष रूप से लिथियम, कोबाल्ट और निकल जैसे महत्वपूर्ण खनिजों को शामिल कर सकते हैं। यह विधेयक गहरे खनिजों के लिए खनन क्षेत्रों के एकमुश्त विस्तार की अनुमति देता है और कैप्टिव खदानों से खनिजों की बिक्री पर 50 प्रतिशत की सीमा हटाता है। राज्यों को खनिज भंडारों की बिक्री की अनुमति देने का भी अधिकार देता है। दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक 2025 का उद्देश्य लगातार आ रही बाधाओं को दूर करना, प्रक्रियात्मक दक्षता बढ़ाना, लेनदारों को सशक्त बनाना और भारतीय दिवाला पारिस्थितिकी तंत्र को सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं के अनुरूप बनाना है। जन विश्वास (संशोधन) विधेयक 2025 का उद्देश्य 16 केंद्रीय अधिनियमों के 355 प्रावधानों में संशोधन करके उनकी उपयोगिता को आसान बनाना है। इनमें से 288 प्रावधानों को गैर-अपराधीकरण करने और 67 प्रावधानों में 'जीवन की सुगमता' को सुगम बनाने के लिए संशोधन का प्रस्ताव है। सरकार ने सदन के अध्यक्ष से इस विधेयक को समीक्षा के लिए प्रवर समिति को भेजने का अनुरोध किया है।

संविधान (130वां संशोधन) विधेयक 2025 दोषसिद्धि से पहले 'सत्ता के नैतिक मानदंड' की रक्षा करता है। ठीक उसी तरह जैसे सिविल सेवाओं में 48 घंटे से अधिक की हिरासत पर 'डीम्ड सस्पेंशन' लागू हो जाता है। वस्तुतः इस विधेयक में कहा गया है कि कोई भी मंत्री जो किसी गंभीर अपराध के लिए 30 दिनों तक जेल में रहेगा,वह अपना पद खो देगा। कोई मंत्री, जो इस पद पर रहते हुए लगातार तीस दिनों की किसी अवधि के दौरान, किसी भी समय कानून के तहत कोई अपराध करने के आरोप पर गिरफ्तार किया जाता है और हिरासत में रखा जाता है, जो पांच वर्ष या उससे अधिक की अवधि के कारावास से दंडनीय है, उसे ऐसी हिरासत में लिए जाने के बाद, इकतीसवें दिन मुख्यमंत्री की सलाह पर उसे राष्ट्रपति द्वारा उसके पद से हटा दिया जाएगा। विधेयक में कहा गया है कि यदि ऐसे मंत्री को हटाने के लिए मुख्यमंत्री की सलाह इकतीसवें दिन तक राष्ट्रपति को नहीं दी जाती है, तो वह उसके बाद आने वाले दिन से मंत्री नहीं रह जाएगा।

जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025 के तहत यदि जम्मू-कश्मीर में किसी मंत्री को पांच वर्ष या उससे अधिक कारावास की सजा वाले अपराध के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है और लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रखा जाता है, तो उसे पद से हटा दिया जाएगा। उपराज्यपाल (एलजी) मुख्यमंत्री की सलाह पर मंत्री को हटाएंगे। यदि मुख्यमंत्री कार्रवाई करने में विफल रहते हैं, तो मंत्री 31वें दिन से स्वतः ही पद पर नहीं रहेंगे। यदि मुख्यमंत्री को इसी तरह के आरोपों में गिरफ्तार कर 30 दिनों के लिए हिरासत में रखा जाता है तो उन्हें 31वें दिन तक इस्तीफा देना होगा। यदि इस्तीफा नहीं दिया जाता है तो अगले दिन से मुख्यमंत्री स्वतः ही पद खो देंगे।

जागरूक विचार

प्राकृतिक ऊर्जा का अमृत व जीवन का वृक्ष है नारियल

हर वर्ष 2 सितम्बर को विश्व नारियल दिवस मनाया जाता है। यह अवसर न केवल नारियल जैसे बहुमूल्य फल और उसके वृक्ष के महत्व को समझाने के लिए हैं बल्कि यह दिन दुनियाभर के लोगों को इसके पोषण मूल्य, आर्थिक महत्व, खेती, प्रसंस्करण, उपयोगिता और वैश्विक स्वास्थ्य तथा कृषि में इसकी भूमिका को याद दिलाने का भी माध्यम है। यह दिवस दुनियाभर में लोगों को नारियल के फायदे समझाने, नारियल के पोषण मूल्य और आर्थिक महत्व के बारे में बताने, नारियल की खेती, प्रोसेसिंग और इसके कई उपयोगों के बारे में लोगों को शिक्षित करने, वैश्विक स्वास्थ्य और कृषि में नारियल की अहमियत समझने, नारियल से जुड़े नए तकनीकी तरीकों को अपनाने, नारियल से जुड़े उद्योगों में मौजूदा चुनौतियों को दूर करने इत्यादि अनेक उद्देश्यों के साथ 'एशियाई प्रशांत नारियल समुदाय' (एपीसीसी) के गठन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस संगठन का उद्देश्य नारियल से जुड़ी हर गतिविधि को बढ़ावा देना, नारियल किसानों की स्थिति में सुधार करना और नारियल उद्योग की मजबूती के लिए प्रयास करना है।

नारियल शब्द की उत्पत्ति पुर्तगाली भाषा से मानी जाती है। 'कोको' और 'अखरोट' शब्दों के मेल से बना यह नाम आज पूरी दुनिया में इस अद्भुत फल की पहचान है। दुनियाभर के लगभग 80 देशों में नारियल की लगभग 150 किस्में पाई जाती हैं। उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में इसकी खेती सबसे अधिक होती है और लाखों किसानों की आजीविका इसी पर आधारित है। नारियल को यूं ही जीवन का वृक्ष नहीं कहा जाता। इस वृक्ष का हर हिस्सा किसी न किसी तरह से मनुष्य के लिए उपयोगी है। फल भोजन और पेय का साधन है, पत्तियां छत और बुनाई के काम आती हैं, इसका खोल और भूसी शिल्पकला, ईंधन और घरेलू जरूरतों के लिए काम आते हैं और रस से चीनी, सिरका तथा अन्य उत्पाद बनाए जाते हैं। यही वजह है कि नारियल न केवल भोजन का स्रोत है बल्कि इसे समृद्धि और पोषण का प्रतीक माना जाता है।

नारियल दिवस पर्यावरणीय दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यह अवसर हमें याद दिलाता है कि नारियल का वृक्ष किस प्रकार पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में सहायक है। इसके पेड़ मृदा को कटाव से बचाते हैं और टिकाऊ कृषि को प्रोत्साहित करते हैं। विशेष बात यह है कि इसके हर हिस्से का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे अपव्यय की गुंजाइश न के बराबर रहती है। कोको वंश की एकमात्र शेष प्रजाति नारियल का वृक्ष है, जो ताड़ वर्ग के एरेकेसी परिवार से संबंधित है। यह वृक्ष 60 से 100 फुट तक ऊंचा होता है और लगभग 80 वर्षों तक जीवित रह सकता है। हालांकि इसके फल प्रायः 15 वर्ष की आयु के बाद ही लगना शुरू होते हैं। भारत में यह वृक्ष प्रमुख रूप से तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में अधिक पाया जाता है। नारियल की फसल भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 3.88 बिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान देती है। यही नहीं, यह फसल देश के 1.2 करोड़ से भी अधिक लोगों को खाद्य सुरक्षा और आजीविका उपलब्ध कराती है तथा करीब 6 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार देती है।

नारियल का महत्व केवल खेती और अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी अत्यंत लाभकारी है। यह फल पाचन क्रिया को बेहतर बनाने और मोटापा नियंत्रित करने में प्रभावशाली माना जाता है। पोषण के स्तर पर नारियल बेहद समृद्ध फल है। इसमें 38.67 प्रतिशत कॉपर, 52.17 प्रतिशत मैग्नीज, 24.2 प्रतिशत आयरन, 18.8 प्रतिशत फाइबर, 8 प्रतिशत जिंक, 7.6 प्रतिशत वेलिन और 9.37 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट पाए जाते हैं। यह सभी पोषक तत्व शरीर को तंदुरुस्त बनाए रखने, चेहरे की चमक बढ़ाने और प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में सहायक होते हैं। नारियल का उपयोग भोजन, सौंदर्य प्रसाधनों और सजावट की वस्तुओं तक में होता है। नारियल तेल को खाने में प्रयोग करने के साथ-साथ बालों और त्वचा के लिए भी अत्यंत लाभकारी माना जाता है। नारियल के आर्थिक महत्व की बात करें तो यह किसानों के लिए आय का प्रमुख स्रोत है। इसके अलावा नारियल से जुड़े प्रसंस्करण उद्योगों में भी रोजगार के व्यापक अवसर मौजूद हैं। नारियल तेल, नारियल दूध, नारियल पाउडर, कोयर उद्योग, हस्तशिल्प, बायोफ्यूल और सौंदर्य उत्पाद जैसे उद्योग नारियल पर निर्भर हैं। एपीसीसी जैसे संगठन नारियल के उत्पादन और प्रसंस्करण से जुड़ी तकनीकों के विकास और प्रसार के लिए लगातार प्रयास करते हैं। इस क्षेत्र में नई तकनीकें न केवल उत्पादकता को बढ़ाती हैं बल्कि पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने में मदद करती हैं।

जीवन में सफलता पाने क्यो मन पर अंकुश लगाना जरूरी

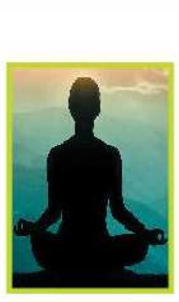

संकलित
दर्शन

मन अधिक चंचल है, क्योंकि वह माया में रमा हुआ है। उसे जीवन सफलता के मार्ग पर अग्रसर करने के लिए बड़े अंकुश की आवश्यकता होती है। परमात्मा के भय से बड़ा कोई नियंत्रक नहीं है। वह दृष्टिगोचर नहीं है। फिर भी सर्वव्यापी है। उसके कोई अधिकारी नहीं हैं। फिर भी उसका राज्य अनंत एवं व्यवस्था अति सुचारु है। उसने कोई संविधान नहीं बनाया। फिर भी वह गुण-दोष परखकर फल देता जा रहा है। परमात्मा अंतर्यामी है। कुछ भी उसकी दृष्टि से ओझल नहीं है। उसका न्याय होकर रहता है। सांसारिक विधानों से बचा जा सकता है, किंतु परमात्मा की परम शक्ति से नहीं। परमात्मा की सत्ता को स्वीकार कर उसके अनुसार जीवन व्यतीत करना ही दंड से बचने का एकमेव उपाय है। परमात्मा निराकार है, किंतु उसका कौतुक जीवन को प्रत्यक्षतः प्रभावित करता है। परमात्मा का सबसे बड़ा प्रभाव मनुष्य का तन है, जो पांच तत्वों जल, वायु, अग्नि, धरती और आकाश के संयोग से बना है। ये पांचों तत्व परस्पर विपरीत प्रकृति के हैं। वे एक साथ नहीं रह सकते। परमात्मा की ही महिमा है कि एक साथ जीव के तन में बस रहे हैं। इससे बड़ा चमत्कार कोई और नहीं हो सकता। परमात्मा ने अगण्य जीव रचे हैं और नित्य रचता जा रहा है। वह जीवों को रचता ही नहीं, उनका प्रतिपालन भी करता है। उसकी कृपा एवं उसका दंड पल-पल संसार में प्रकट होते हैं। वह राजा से रंक, रंक से राजा, ज्ञानी से अज्ञानी एवं अज्ञानी से ज्ञानी बना रहा है। उसकी लीला वही जानता है।

समर्पित भक्त का वास वैकुन्ठ में

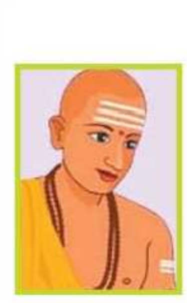

संकलित
प्रेरणा

एक ब्राह्मण था तथा महान भक्त था, वह मंदिर की पूजा में बहुत शानदार सेवा पेश करना चाहता था, लेकिन उसके पास धन नहीं था। एक दिन की बात है वह एक भागवत पाठ में बैठा हुआ था और उसने सुना कि नारायण मन में भी पूजे जा सकते हैं। उसने इस अवसर का लाभ उठाया क्योंकि वह एक लंबे समय से सोच रहा था कि कैसे बहुत शान से नारायण की पूजा करूं, लेकिन उसके पास धन नहीं था। जब वह यह समझ गया, कि मन के भीतर नारायण की पूजा कर सकते हैं। एक दिन वह गोदावरी नदी में स्नान करने के बाद एक पेड़ के नीचे बैठा हुआ था। अपने मन के भीतर वह बहुत खूबसूरत सिंहासन का निर्माण कर रहा था, गहनों के साथ लदी और सिंहासन पर भगवान की मूर्ति को रखते हुए, वह भगवान का गंगा, यमुना, गोदावरी, नर्मदा, कावेरी नदी के जल के साथ अभिषेक कर रहा था। फिर बहुत ही उत्तम तरह से भगवान का श्रृंगार कर और फूल, माला के साथ पूजा करते हुए, वह मीठे चावल बहुत अच्छी तरह से भोजन के रूप में पका रहा था। वह परखना चाहता था कि भोजन भोग के लिए कहीं गरम तो नहीं हैं। तो ऐसा जानने के लिए उसने भोजन में अपनी उंगली डाली तो उसकी उँगली जल गई। तब उसका ध्यान टूटा क्योंकि वहाँ कुछ भी नहीं था। केवल अपने मन के भीतर वह सब कुछ कर रहा था। लेकिन उसने अपनी उंगली जली हुइ देखी। तो वह चकित रह गया। इस तरह, वैकुन्ठ से नारायण, मुस्कुरा रहे थे। देवी लक्ष्मीजी ने पूछाः आप क्यों मुस्कुरा रहे हैं ? भगवान बोलेः मेरा एक भक्त अतिप्रभावी मानस पूजन कर रहा है। मेरे अन्य धनिक भक्त सब उच्च साधनो एवं सामग्रियों से मेरी अर्चना करते हैं, परन्तु उनका मन भटकता ही रहता है।

आखर आखर झरे उजियार

आहिस्ता से हर आदत को साधते रहिए

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

यह सर्वविदित सत्य है कि हमारी आदतें जीवन को आकार प्रदान करती हैं। यदि हम अपनी जीवन शैली में अच्छी आदतों को अंगीकार कर लें तो यह जीवन सही मायने में परिष्कृत और उन्नत हो पाएगा।

दरअसल जिन्दगी का आलीशान आशियाना इंसानियत से सराबोर बेहतर आदतों की ईंटों से निर्मित होता है। बात आत्मविकास की हो या सामाजिक सरोकारों की, केरियर निर्माण की हो या भौतिक या मानसिक विकास की हर क्षेत्र में हमें बुनियादी तौर पर अपनी आदतों पर निगरानी रखनी होगी। साथ ही, हमेशा आवश्यकता के अनुरूप उनमें सुधार भी करना होगा। सृष्टि के उत्थान या पतन के मूल में विचार निहित है। अच्छे विचार उत्कर्ष की ओर, जब कि गलत विचार अपकर्ष की ओर ले जाते हैं। विचार से शब्द बनते हैं,शब्द से कर्म बनते हैं, कर्म से आदत बनती है और आदत से चरित्र बनता है। सुचरित्र उत्थान का कारण बनता है, जब कि दुश्चरित्र पतन का कारण बन जाता है।

कुछ अच्छी आदतें जिनका हमारी दिनचर्या में शुमार होना चाहिए, उनका यहां उल्लेख किया जा रहा है। हमेशा मुस्कराते रहिए, आपके काम आसान होते चले जाएंगे। उदास चेहरे कभी भी समाज में स्वीकार्य नहीं होते। कृतज्ञता का बोध बना रहे, ईश्वर और माता-पिता एवं गुरु के प्रति ..साथ ही, उन सभी प्रति जो आपको यथाशक्ति सहायता दे रहें हैं। नियमित प्रभु का ध्यान और आत्म निरीक्षण से व्यक्तिगत उन्नति में सहायता मिलेगी। पोषाहार से स्वास्थ्य लाभ होगा तो व्यायाम से देह सुदृढ़ होगी। स्वाध्याय से वैचारिक बल मिलेगा तो सकारात्मक चिन्तन से संतुलित विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। समय निकाल कर

अपने विचारों को लिपी बद्ध करें। लक्ष्य निर्धारण के साथ ही प्रतिदिन की प्राथमिकता तय करें। आखिर में रोज रात सोने से पहले अपने आप से प्रश्न करें, जो सोचा, वो हुआ कि नहीं? सकुशल दिन बीतने पर परमात्मा को धन्यवाद तो बनता है, दीजिए उसे भी धन्यवाद !

(ये लेखक के अपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

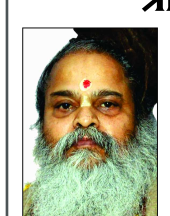

19. **बालक**-जैसे बालक को मान-अपमान का कोई ध्यान नहीं,वह अपने साथ ही क्रीड़ा करता है और मौज से रहता है, निश्चिंत रहता है। वैसे ही बुद्धिमान पुरुष को चाहिए निश्चिंत ही मौज से रहे, अपनी आत्मा से आत्मा में ही रमण करे। जगत में दो ही प्रकार के व्यक्ति निश्चिंत हैं और परमानन्द में मग्न रहते हैं, एक भोलानाथ निश्चेष्ट, नन्हा सा बालक और दूसरा गुणातीत पुरुष।

20. कुमारी कन्या- एक कुमारी कन्या के घर उसे वरण करने के लिए कई लोग आए हुए थे। उस समय वह अकेली ही थी। उसने अकेले ही अतिथि सत्कार किया, उनको भोजन कराने के लिए वह घर के भीतर एकान्त में धान कूटने लगी। उस समय उसकी कलाई में पढ़ी शंख की चूड़ियां जोर से बज रही थी। इस शब्द को निन्दित समझकर कुमारी को बड़ी लज्जा महसूस हुई। उसने एक-एक कर दोनों हाथों की चूड़ियां फोड़ डाली, सिर्फ दो-दो चूड़ी रखी और धान कूटने लगी, किंतु वे दो-दो चूड़ियां भी बजने लगी। तब उसने एक-एक चूड़ी और तोड़ दी तब किसी प्रकार की आवाज नहीं हुई। इससे यह शिक्षा मिलती है कि जब बहुत लोग एक साथ रहते हैं तब कलह होता है और दो आदमी भी साथ रहते हैं तब भी बातचीत तो होती है। इसलिए कुमारी कन्या की चूड़ी की तरह अकेले ही विचरना चाहिए। **क्रमशः**

श्राद्ध क्यों है पितरों की तृप्ति और पितृ दोष निवारण का सबसे सरल उपाय

पं. रतन शर्मा
मो.-90067 70921

श्राद्धपक्ष में क्या करें और किन बातों से बचें ताकि श्राद्ध पूर्ण और सफल हो, श्रद्धा और विधि-विधान से किया गया श्राद्ध बदल सकता है आपका जीवन। श्राद्ध दिवंगत पूर्वजों की आत्मा की तृप्ति के लिए किया जाता है। यह पितरों को श्रद्धा से अर्पित अनुष्ठान है। इसमें पिंडदान, तर्पण और ब्राह्मण भोजन मुख्य हैं।

श्राद्ध की मूलभूत परिभाषा यह है कि दिवंगत पूर्वजों यानी पितरों के निमित्त, उनकी आत्मा की तृप्ति के लिए श्रद्धा पूर्वक जो अर्पित किया जाता है, वह श्राद्ध है। श्राद्ध पितरों की तृप्ति हेतु श्रद्धा पूर्वक अर्पण किया गया अनुष्ठान स्वरूप है, जिसमें पिंडदान, तर्पण और ब्राह्मण भोजन प्रमुख हैं। पितृ पक्ष में किए गए श्राद्ध से पितृ दोष निवारण होता है, श्राद्ध करने हेतु विधि, संयम का पालन अनिवार्य है। श्राद्ध प्रकाश के अनुसार पकाए हुए शुद्ध पकवान व दूध, दही, घी आदि को देश काल, पात्र के अनुसार तिल, कुश, जल के साथ दिया हुआ दान श्राद्ध है।

श्राद्ध का पितरों के साथ अटूट संबंध – दक्षिण दिशा की ओर पितरों को याद करके दान देने से जन्मकुण्डली में विद्यमान पितृ दोष का निवारण होता है। इसके तहत श्रद्धा पूर्वक ब्राह्मणों को भोजन कराना, वस्त्र, दक्षिणा सहित वह सभी वस्तुएं भी दान देनी चाहिए जो आपके पूर्वजों, पितरों को प्रिय थी। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार श्राद्ध पितरों को आहार पहुंचाने का माध्यम है। पितृ पक्ष के दिनों में दिया गया दान पितरों को प्राप्त होता है।

श्राद्धपक्ष में क्या करें, क्या न करें – श्राद्ध कर्ता को ब्रह्मचर्य का पालन अवश्य करना चाहिए, दूसरे के घर का अन्न श्राद्धकाल में ग्रहण नहीं करना चाहिए तथा श्राद्ध कर्म वाले दिन यात्रा को भी वर्जित बताया गया है। इसी प्रकार मांसभक्षण, धूम्रपान, लोहे व मिट्टी के बर्तनों का प्रयोग न करें। श्राद्ध के दिन जिन कार्यों की मनाही है, उनका ध्यान रखना भी जरूरी है अन्यथा विफलता का भय रहता है।

श्राद्ध विधि-विधान – साधारण गृहस्थ श्राद्ध कर्म की विधि अनुसार तीन प्रमुख कार्य कर पितरों को संतुष्ट कर सकते हैं, पहला पिंडदान, दूसरा तर्पण और तीसरा ब्राह्मण भोजन। सुबह उठकर स्नान कर देव स्थान व पितृस्थान को साफ-सुथराकर, गंगाजल से पवित्र करें, महिलाऐं शुद्ध होकर पितरों के निमित्त भोजन बनाए। दक्षिणमुख होकर आचमन एवं मार्जन कर जनेउ को दाएं कंधे पर रखकर चावल, गाय का दूध, घी, शक्कर एवं शहद को मिलाकर बने पिण्डों को श्रद्धाभाव के साथ अपने पितरों को अर्पित करना चाहिए। जल में काले तिल, जौ, कुशा, सफेद फूल मिलाकर उस जल से विधिपूर्वक तर्पण करें। श्राद्ध के अधिकारी श्रेष्ठ ब्राह्मण तथा कुल के अधिकारी जैसे जमाई, भतीजे आदि को न्यौता देकर बुलाएं। पितरों के निमित्त अग्नि में गाय का दूध, दही, घी एवं खीर अर्पित करें। गाय, कुत्ता, कौआ व अतिथि के लिए भोजन से चार ग्रास निकालें। ब्राह्मणों को आदरपूर्वक भोजन कराएं, वस्त्र, दक्षिणा आदि से सम्मान कर आशीर्वाद प्राप्त करें।

(ये लेखक के अपने विचार है)

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 03/09/2025

सूर्योदय : 06:10 **सूर्यास्त :** 18:41 **चन्द्रोदय :** 15:52 **चन्द्रास्त :** 01:16 **शक सम्वत :** 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत् :** 2082 कालयुक्त **अमान्ता महीना :** भाद्रपद **पूर्णिमांत :** भाद्रपद **सूर्य राशि :** सिंह **चन्द्र राशि :** धनु **पक्षः** शुक्ल **तिथि :** एकादशी, 28:20 तक **वार :** बुधवार **द्रिक ऋतु :** शरद **द्रिक-वैदिन अयन :** दक्षिणायन

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : पूर्वाषाढ़ा, 22:56 तक
योग : आयुष्मान, 16:11 तक
प्रथम करण : वणिजा, 16:07 तक
द्वितिय करण : विष्टि, 28:20 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:30 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:52 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:27 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:40 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:40 पी एम से
अमृत काल	06:05 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:58 पी एम से
रवि योग	06:00 ए एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : शनि
कुंभ चक्रः पश्चिम

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
अमृत	: 06:09 - 07:43	उद्वेग : 18:40 - 20:06
काल काल वेला	: 07:43 - 09:17	शुभ : 20:06 - 21:32
शुभ	: 09:17 - 10:51	अमृत : 21:32 - 22:59
रोग	: 10:51 - 12:25	चर : 22:59 - 00:25
उद्वेग	: 12:25 - 13:59	रोग : 00:25 - 01:51
चर	: 13:59 - 15:34	काल : 01:51 - 03:17
लाभ वार वेला	: 15:34 - 17:08	लाभ : 03:17 - 04:44
अमृत	: 17:08 - 18:42	उद्वेग : 04:44 - 06:10

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज एकादशी

आज कौन सा कार्य करें

एकादशी : व्रत, उपवास, धार्मिक कृत्य, देवोत्सव, उद्यापन तथा कथा एकादशी में शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

भाद्रपद, शुक्ल, एकादशी, 2082 बुधवार, 03 सितम्बर - 09 सितम्बर, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ङ,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हु, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

जयपुर में औषधीय पौधों पर दो दिवसीय प्रशिक्षण एवं क्रेता-विक्रेता बैठक सम्पन्न

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। औषधीय पौधों की खेती, संग्रहण, प्रसंस्करण एवं विपणन को नई दिशा देने के लिए बीते दिनों अंतरराष्ट्रीय उद्यानिकी नवाचार एवं प्रशिक्षण केन्द्र, दुर्गापुरा में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन किया गया। आयोजन का मुख्य विषय "औषधीय पौधों की उत्तम कृषि पद्धतियाँ, उत्तम क्षेत्र संग्रहण पद्धतियाँ, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन" रहा। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय सह-सुविधा केन्द्र - पश्चिमी क्षेत्र (RCFC-WR), राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा सम्पन्न हुआ।

पहले दिन उद्घाटन सत्र में प्रो. (डॉ.) दिगंबर मोकाट, मुख्य अन्वेषक, RCFC-WR, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

विशेष अतिथियों में रेखा राम, उप वन संरक्षक, वन विभाग, जयपुर तथा डॉ. रमेश गुप्ता, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राज्य औषधीय पादप बोर्ड, राजस्थान शामिल रहे।

पहले दिन के तकनीकी सत्रों में प्रो. (डॉ.) दिगंबर मोकाट ने भारत व राजस्थान में औषधीय पौधों की विविधता, संरक्षण और उपयोग पर व्याख्यान दिया। डॉ. रमेश गुप्ता ने राष्ट्रीय एवं राज्य औषधीय पादप बोर्ड की योजनाओं पर जानकारी दी। कार्यक्रम में बैंक ऑफ़ बड़ौदा के वरिष्ठ प्रबंधक हिमांशु मीणा ने किसानों को बैंक स्कीम एवं सब्सिडी प्रपोज बनाने की जानकारी दी। आपको बता दें मानसून मीना पुणे विश्वविद्यालय से फॉरेस्ट्री में पीएचडी कर रहे हैं। उनका शोध कार्य भी मेडिसिनल प्लांट्स पर ही रहेगा। इसके अतिरिक्त डॉ. अतुल गुप्ता, राष्ट्रीय अध्यक्ष, ऑर्गेनिक फार्मर प्रोड्यूसर एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने औषधीय पौधों के प्राथमिक प्रसंस्करण और विपणन पर विचार साझा किए।

दूसरे सत्र में राकेश चौधरी (डायरेक्टर, श्री वायाक हर्बल्स) ने बाजार श्रृंखला और आपूर्ति पर जानकारी दी, जबकि मोहन लाल नागर (टोंक, राजस्थान) ने अश्वगंधा, तुलसी, सोनामुखी, एलोवेरा, कालमेघ जैसे औषधीय पौधों की खेती पद्धतियों पर चर्चा की। कार्यक्रम के दूसरे दिन की शुरुआत क्षेत्र भ्रमण से हुई, जहाँ प्रतिभागियों को ऑर्गेनिक फार्मर प्रोड्यूसर एसोसिएशन ऑफ इंडिया, सांगानेर ले जाया गया। इस दौरान 100 से अधिक औषधीय पौधों की पहचान कराई गई और उनके औषधीय उपयोग, रोपण विधियाँ, देखभाल तकनीकें, कटाई, फसल उपरांत प्रबंधन (Post-Harvest Management) एवं विपणन-व्यापारिक संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। अंशुमन गुप्ता मॅनेजर ऑफ बँक ऑफ बडोदा ने किसानों को बँक स्कीम के बारे मे जानकारी दी।

दोपहर के तकनीकी सत्र में डॉ. अशोक कुमार गुप्ता, पूर्व वन निदेशक ने औषधीय पौधों के प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर व्याख्यान दिया। डॉक्टर खरात प्रकल्प मॅनेजर, आरसीएफसी पुणे औषधीय पौधो की पहचान और तकनीक इसके बारे मे जानकारी दी और अनिकेत मोकाट, औषधीय पौधों की मान अपूर्ती विपणन बाजार दर मंडी उपलब्धता के विषय पर किसानों को मार्गदर्शन किया। प्रशिक्षण और क्रेता विक्रेता बैठक का समापन किसानों के प्रश्न उत्तर, प्रमाणपत्र वितरण और राष्ट्रगान के साथ हुआ ।

उत्साह से मनाया गणेशोत्सव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। गनराज मित्र मण्डल मुरलीपुरा के तत्वधान मे शिव मंदिर, गंगा जनुमा कॉलोनी, दादी का फाटक, मुरलीपुरा मे गजानंद जी भव्य झांकी सजाई गयी, अलौकिक श्रृंगार, अनेको प्रकार के मिस्टान उक्त भोग लगाये गये एवं भव्य शोभा यात्रा निकली गयी, जो की गंगा जमुना कॉलोनी, माताजी मंदिर, केडिया पैलेस चौराहा, दादी का फाटक होने हुए आयोजन स्थल शिव मंदिर दादी का फाटक पहुंची। शोभा यात्रा में आकर्षक झाकिया, बघी, घोड़े, लवजमा और बैंड की प्रस्तुति शानदार रही, शोभा यात्रा मे सेकड़ो महिलाये, पुरुषो, व बच्चे बच्चियों ने भाग लिया। सभी लोग गणेश जी एवं सभी देवी देवताओ के जय जयकारे लगा रहे थे शोभा यात्रा का जगह -जगह पुष्पों से स्वागत हुवा एवं अल्पाहार खिलाया गया। गजानन जी की स्थापना 10 दिनों के लिए की गयी। कार्यक्रम में रूद्र गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता, राहुल शर्मा, नवल शर्मा, प्रेम टेलर, अनिल टेलर, हर्षिल गुप्ता, गिरिराज गुप्ता, शुभम मित्तल उत्साहित रूप सक्रिय है, स्थानीय निवासियों के सहयोग भी कार्यक्रम को भव्यता प्रदान कर रहा है।

राजस्थान में अब तक हो चुकी है सामान्य से करीब 63 प्रतिशत अधिक बरसात

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश में वर्षा का दौर जारी हैं और पिछले 24 घंटों में जयपुर सहित कई क्षेत्रों में भारी बरसात दर्ज की गई हैं। वहीं इस बार अब तक 602.88 मिलीमीटर औसत वर्षा हो चुकी है जो सामान्य से 62.64 प्रतिशत अधिक हैं। जल संसाधन विभाग के अनुसार पिछले चौबीस घंटों में सुबह साढ़े आठ बजे तक प्रदेश में सर्वाधिक 177 मिलीमीटर बरसात दौसा में दर्ज की गई हैं। इसी तरह जयपुर के कोटखावदा में 160, लालसोट में 125, नीरझरना में 111, रामगढ़ पचवाड़ा 100 , मोरेल डेम 73, भांडारेज में 73, सिकराय में 66 एवं बैजुपाड़ा में 65 मिलीमीटर बारिश हुई हैं। इसके अलावा जयपुर में 88, तुंगा में 86, रामगढ़ डेम एवं जमवारामगढ़ में 71-71, रुपनगढ़ में 86, भरतपुर के नदबई में 75, बागोर में 98, मेजा डेम 94 एवं कोटड़ी में 70, डीग के जनुथर में 77, डीडवाना-कुचामन के परबतसर में 92, झालावाड़ के मनोहरथना में 93 एवं करौली के टोडाभीम में 74 मिलीमीटर वर्षा हुई।

रायड़ा की मीटिंग में प्रदेशभर से जुटे डीलर्स व खुदरा विक्रेता

कृषि आदान व्यापारियों की परेशानियों का समाधान करें सरकार-खण्डेलवा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। खाद बीज विक्रेताओं के समक्ष वर्तमान में आ रही परेशानियों को लेकर राजस्थान एग्रीकल्चर इनपुट डीलर्स एसोसिशन ने एक सभा का आयोजन बीते दिनों यहां एक होटल में किया गया। जिसमें पूरे प्रदेश से बड़ी संख्या में डीलर्स व खुदरा विक्रेताओं ने भाग लिया। दो सत्रों में आयोजित इस सभा में सभी समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। सभा में बहुत सारे अच्छे सुझाव भी उपस्थित सदस्यों ने दिये। रायड़ा अध्यक्ष पुरुषोत्तम खंडेलवाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि सभी की राय व सलाह के अनुसार पारित कार्यों को शीघ्र पूरा करने का प्रयास करेंगे। साथ ही सदस्यता अभियान भी चलाया जाएगा। सभा में सरकार व अधिकारियों द्वारा जारी नियमों को मनमाना बताते हुए विरोध प्रकट किया गया। विक्रेताओं ने उर्वरक टैगिंग, पीओएस बिक्री जांच पर चिंता जताई। संस्था अध्यक्ष पुरुषोत्तम खंडेलवाल ने कहा कि प्रथम जानकारी के अनुसार राज किसान पोर्टल कार्य नहीं कर रहा है, इसलिए हमारे लाईसेंस नवीनीकरण, ओ फार्म, निर्माता प्रमाण पत्र व नये गोदाम जुड़वाने का कार्य नहीं हो पा रहा है। आप सभी से निवेदन है कि तहसील, जिला संगठन अपने अपने लेटर हेड पर आयुक्त कृषि को पत्र लिखकर भेजें व इसकी प्रति संयुक्त निदेशक कृषि आदान पंत कृषि भवन, रायड़ा को अति शीघ्र भिजवाएं। साथ ही व्हाट्सएप मैसेज द्वारा सूचित करें और पत्र की हार्ड कापी कूरियर द्वारा भिजवा देवें। जिससे रायड़ा पदाधिकारीगण आयुक्त कृषि से मुलाकात कर उपरोक्त समस्या का समाधान प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। अगर सरकार ने 15 सितम्बर तक समस्याओं का समाधान नहीं निकला तो आंदोलन किया जाएगा।

स्व. जुगल किशोर बियानी की 23वीं पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आयोजित

शिविर में 78 यूनिट रक्त एकत्र

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बियानी विज्ञान एवं प्रबंधन संस्थान (नर्सिंग विभाग) में बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के प्रणेता स्वर्गीय श्री जुगल किशोर बियानी की 23वीं पुण्यतिथि के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

यह शिविर कॉलेज की स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक एवं रोटरी क्लब, जयपुर के सहयोग से आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अध्यक्ष रोटेरियन CA दुर्गेश पुरोहित, कम्युनिटी सर्विस निदेशक रो. उजास चन्द जैन, चेयरपर्सन ब्लड डोनेशन कैंप रो. आर. के. शर्मा एवं सचिव रो. आर. सी. गुप्ता , पी.सी मोदी रहे। आयोजन की शुरुआत आयोजक चैयरपर्सन पुष्पा बियानी, चेयरमेन डॉ. राजीव बियानी, निदेशक डॉ. संजय बियानी, अस्सिटेंट डायरेक्टर सीए अभिषेक बियानी, अस्सिटेंट डायरेक्टर आदित्य बियानी, डीन व प्रिंसिपल डॉ. ध्यान सिंह गोठवाल एवं सीनियर नर्सिंग प्रिंसिपल तारावती चौधरी और वाइस प्रिंसिपल जीशु जार्ज द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर की गई।

निदेशक डॉ. संजय बियानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि "रक्तदान सबसे बड़ा मानव धर्म है। एक यूनिट रक्त तीन लोगों की जान बचा सकता है, इसलिए युवाओं को सदैव समाजसेवा की इस महान भावना से जुड़ना चाहिए। शिविर में विद्यार्थियों, स्टाफ एवं रोटरी क्लब के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। रक्तदाताओं को प्रशंसा स्वरूप प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए, जिनका वे आवश्यकता पड़ने पर भविष्य में उपयोग कर सकेंगे। इस अवसर पर कुल 78 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। कार्यक्रम का सफल आयोजन नर्सिंग विभाग की ओर से किया गया।

खेल दिवस के अवसर पर नन्हे मुन्नों ने दिखाए अपने खेल कौशल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मुरलीपुरा क्षेत्र स्थित एन के पब्लिक स्कूल में एक विशेष खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें नर्सरी से लेकर UKG तक के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। यह कार्यक्रम बच्चों में खेल भावना और शारीरिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ. नेमीचंद लुनायच रहे, जिन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में निदेशक कुलदीप सिंह ने भी अपनी उपस्थिति से बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस प्रतियोगिता में बच्चों ने विभिन्न मजेदार खेलों में हिस्सा लिया, जैसे कि फ्रॉग रेस (मेंढक दौड़), 50 मीटर की दौड़, और नींबू-चम्मच दौड़। बच्चों की फुर्ती और उत्साह को देखकर दर्शक और अभिभावक भी बहुत खुश हुए। प्रतियोगिता के अंत में, मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि कुलदीप सिंह ने विजेता बच्चों को पुरस्कार और मेडल देकर सम्मानित किया। उन्होंने बच्चों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें भविष्य में भी खेलकूद में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का समापन स्कूल की प्रधानाचार्या चित्राराजे बसेरा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने सभी बच्चों, शिक्षकों, और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह कार्यक्रम सफल हो पाया। कार्यक्रम के दौरान सलाहकार विद्यानिधि त्रिवेदी समन्वयक डॉक्टर नाहिद ख़ान व अभिभावक उपस्थित रहे।

गुप्त वृन्दावन धाम में हुआ 'राधा रानी का प्राकट्य', भक्त बोले राधा रानी की जय

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राधा कृष्ण की अह्लादिनी शक्ति हैं, जहाँ कृष्ण है वहाँ राधा हैं, उनके बिना कृष्ण संपूर्ण नहीं है। जन्माष्टमी के पंद्रह दिन बाद राधाष्टमी आती है यह वो दिन है जब राधा रानी का आविर्भाव हुआ था और यह कहा जाता है की उस दिन रविवार था। संयोग की बात है की आज 31 अगस्त को राधाष्टमी के दिन भी रविवार है।

जयपुर के गुप्त वृन्दावन धाम में 'राधा रानी' का स्वागत बड़ी ही धूम धाम के साथ किया गया, भक्तों ने भाव विभोर होकर 'राधा रानी की जय' के जयकारे लगाए जिससे सारा माहौल भक्ति रस से सराबोर हो गया। राधाष्टमी के पावन पर्व पर राधारमण का दूध, दही, घी, शहद और पुष्पों से महाअभिषेक किया गया, उन्हें 56 भोग लगाया गया और महारती की गई। इस अवसर पर भक्तों ने संकीर्तन और जयघोष के साथ वातावरण को गुंजायमान कर दिया। राधा रानी के स्वागत के लिए पूरे गुप्त वृन्दावन धाम को पुष्पों और दीपों से सजाया गया।

गुप्त वृन्दावन धाम के अध्यक्ष अमितासना दास ने राधाष्टमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया की यह पर्व जन्माष्टमी के पंद्रह दिन बाद, भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की अष्टमी को मनाया जाता है। राधा रानी गोपियों में प्रमुख हैं और भगवान् कृष्ण की सबसे बड़ी भक्त हैं। भक्तो को भगवान् कृष्ण की भक्ति में अग्रसर होने के लिए राधा रानी का आशीर्वाद चाहिए होता है।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह 5 सितम्बर को बिड़ला सभागार में

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह 2025 का आयोजन 5 सितम्बर को प्रातः 11 बजे स्टेच्यू सर्किल स्थित बिड़ला सभागार भवन में होगा। समारोह की पूर्व संध्या पर 4 सितम्बर को सांय 6 बजे बिड़ला सभागार में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा।

कहते हैं कि सृष्टि की शुरूआत सन्नाटे यानी शांति हुई थी, लेकिन आज शांत माहौल मिलना मुश्किल हो गया है। डवलपमेंट के नाम पर जहां देखो वहां कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है। खुदाई, ड्रिलिंग, हथौड़ों की आवाजे दिन में ही नहीं रात को भी सिर दर्द कर रही है। सिर्फ कंस्ट्रक्शन ही नहीं, आस-पड़ोस का शोर जैसे-डीजे, जेनरेटर, पटाखों आदि से होने वाला नॉइज पॉल्यूशन (ध्वनि प्रदूषण) भी हमारा सुकून छीन रहे हैं। आखिर नॉइज पॉल्यूशन को लेकर क्या है कानूनी नियम, नियमों के उल्लंघन पर कहा कर सकते हैं शिकायत। आलेख के अनुसार किसी भी प्रकार की कार्यवाही में जागरूक जनता की किसी भी स्तर की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। (लेख की सामग्री गूगल आधारित है।)

पड़ोस की ठक-ठक को ऐसे करवाएं बंद

5 चीजें जो गलत हैं

1. रात के समय कंस्ट्रक्शन या कोई दूसरा शोर करना, जो तय सीमा से ज्यादा हो। *(सीमा के लिए टेबल 1 देखें)*
2. साइलेंस या रेजिडेंशल जोन में तय सीमा से ज्यादा मशीन या ट्रकों आदि का शोर होना।
3. किसी भी निर्माण स्थल पर साउंड बैरियर न लगाना या शोर कम करने के उपाय न करना।
4. बिना लोकल अथॉरिटी जैसे नगर निगम से परमिशन लिए निर्माण करना या मटीरियल को वहां अनलोड करना।
5. शिकायत के बाद भी शोर जारी रखना या जानबूझकर वहां के लोगों की परेशानी बढ़ाना।

क्या कहते हैं आंकड़े

6.30 करोड़ लोग भारत में सुनने की समस्या से जूझ रहे हैं। इसकी एक बड़ी वजह लंबे समय तक तेज शोर के संपर्क में रहना है।

43 करोड़ लोगों को दुनिया में सुनने की इतनी गंभीर समस्या है कि उन्हें इलाज या पुनर्वास की जरूरत पड़ती है। इनमें करीब 3.40 करोड़ बच्चे हैं।

70 करोड़ से ज्यादा लोगों को दुनियाभर में सुनने की परेशानी हो सकती है साल 2050 तक।

110 करोड़ युवा दुनिया में तेज आवाज में संगीत सुनने या दूसरी शोर करने वाली आवाजें सुनने की आदत की वजह से सुनने की क्षमता ही खो सकते है। *सोर्स: WHO*

क्या होता है नॉइज़ पलूशन

नॉइज़ पलूशन का मतलब वह अनचाही आवाज होती है जो इंसानों और जानवरों के रोजमर्रा के बर्ताव को बिगाड़ देती है। हर तरह की आवाज या शोर को पलूशन नही कहा जा सकता, लेकिन जब कोई आवाज तय सीमा से ज्यादा तेज हो जाए और दिमाग या शरीर पर बुरा असर डालने लगे तो वह नॉइज़ पलूशन बन जाती है।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइज़ेशन (WHO) के मुताबिक

नॉइज़ पलूशन	65 dB से ज्यादा
नुकसानदायक	75 dB से ज्यादा
असहनीय	120 dB से ज्यादा

(dB यानी डेसिबल, आवाज की तीव्रता मापने की यूनिट)

निर्माण का शोर: विकास की कीमत पर मानसिक शांति की कुर्बानी

बड़े-छोटे सभी शहरों में आजकल लगभग हर गली, हर सड़क पर निर्माण कार्य चलता ही रहता है। कहीं मकान बन रहा है तो कहीं मेट्रो लाइनें बिछ रही हैं, सड़कें, फ्लाइओवर बन रहे हैं। इनकी वजह से ड्रिलिंग मशीनें, हथौड़े, क्रेन, लोडिंग ट्रक और मजदूरों की आवाजें ऐसा शोर पैदा कर रही हैं कि हम अपने मन की बातें तक नहीं सुन सकते। काम को तेजी से खत्म करने और सस्ती लेबर के चक्कर में नियमों को ताक पर रखकर रात में भी कंस्ट्रक्शन चलता रहता है। माना कि हम एक विकासशील देश हैं और शहरीकरण हमारे भविष्य की ज़रूरत है, लेकिन सवाल यह है कि क्या विकास के नाम पर हो रहा यह नॉइज़ पलूशन हमारी मानसिक और शारीरिक सेहत की कीमत पर सही है? नहीं, इसके

लिए भी नियम और तरीके हैं। निर्माण के दौरान साइलेंट ड्रिलिंग, नॉइज़ शील्ड और तय समयसीमा जैसी बातों को अपनाया जाए तो इस शोर की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

गर्भ में पल रहे बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक सभी परेशान

गर्भ में लगभग 28वें हफ्ते तक बच्चे के सुनने की क्षमता विकसित हो जाती है। शिशु मां की धड़कन, उसकी आवाज़ और अल्ट्रासाउंड मशीनों की वाइब्रेशन जैसी आवाज़ों पर प्रतिक्रिया करता है। अगर इस दौरान शोर का स्तर 85dB से ऊपर होता है तो यह उसके विकास पर गंभीर और लंबे समय के लिए बुरा असर डाल सकता है। इससे सुनने की क्षमता घट सकती है। बुजुर्गों में इसका असर ज्यादा गंभीर हो जाता है। उम्र के साथ वैसे ही सुनने की क्षमता घटती है और जब शोर का लेवल बर्दाश्त से बाहर हो जाता है तो यह दिक्कत बढ़ जाती है।

शारीरिक ही नहीं, मानसिक परेशानियां भी हो रही

शारीरिक असर
- सुनने की क्षमता कम होना या टिनिटस (कानों में सीटी जैसी आवाज़)
- हाई ब्लड प्रेशर, दिल की धड़कनें तेज होना
- सिरदर्द और दिल का दौरा
- बच्चों में एकाग्रता की कमी और बर्ताव में बदलाव

मानसिक असर
- नींद उड़ना, थकावट और चिड़चिड़ापन
- तनाव, चिंता और डिप्रेशन
- फोकस और मेमरी में कमी
- रिश्तों में खटास, बर्ताव में आक्रामकता

निर्माण कार्य के दौरान शोर ही नहीं, मलबा भी बड़ी परेशानी

कंस्ट्रक्शन के दौरान होने वाला शोर ही नहीं, उससे निकलने वाला मलबा भी बड़ी परेशानी बनता है। इसके लिए भी नियम तय किए गए हैं।
कंस्ट्रक्शन एंड डेमोलिशन (C&D) वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, 2016 के तहत मलबा या निर्माणाधीन सामग्री (जैसे 500 गज क्षेत्र में) को अनिवार्य रूप से अपने कैंपस के भीतर ही स्टोर करना होता है, ताकि आम रास्तों, नालियों या आसपास की जगहों पर अव्यवस्था, जाम या पलूशन न हो। अगर मलबा भारी मात्रा में निकल रहा हो (जैसे रोजाना 20 टन या मासिक 300 टन से ज्यादा) तो
ज़रूरी है कि उसे अलग-अलग कैटिगरी - जैसे कंक्रीट, मिट्टी, ईंट, धातु/लकड़ी/प्लास्टिक में बांटकर मलबा मैनेजमेंट प्लानिंग की जाए और लोकल अथॉरिटी की मंजूरी लेकर उसे लागू किया जाए।
- कानूनी नज़रिए से नैशनल बिल्डिंग कोड (NBC) पार्ट VII और राज्य या नगरपालिका के कंस्ट्रक्शन बाईलॉज भी यह सुनिश्चित करते हैं कि निर्माण के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन हो। उदाहरण के लिए निर्माण सामग्री को सड़क पर या ऊपर की मंज़िल से नीचे फेंककर नहीं छोड़ा जा सकता। इसे केवल सुरक्षित, तय और मंजूरी वाली जगह (जैसे ग्राउंड फ्लोर या साइट के भीतर) ही स्टोर करना चाहिए।

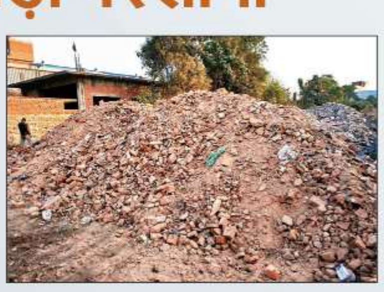

अगर बुलडोज़र से घर को पहुंचे नुकसान

अगर बुलडोज़र से घर में दरार, नुकसान या पानी भरने जैसी समस्या हुई है तो जिम्मेदार पक्ष (सरकारी एजेंसी या प्राइवेट बिल्डर) के खिलाफ कार्रवाई कर सकते है। सबसे पहले नुकसान के सबूत (फोटो, विडियो, गवाह) जमा करें। आप सिविल कोर्ट में नुकसान की भरपाई का दावा कर सकते है और अगर काम सरकारी एजेंसी का है तो नोटिस देकर दावा करें। आपराधिक रूप से BNS के सेक्शन 336, 337, 338 (लापरवाही), 425 और 427 (शरारतन नुकसान) लागू हो सकते है, जिनके तहत पुलिस में शिकायत या FIR दर्ज कराई जा सकती है। साथ ही, नगरपालिका या पलूशन कंट्रोल बोर्ड में शिकायत कर निर्माण कार्य रोकने और नुकसान की भरपाई की मांग कर सकते है।

कंस्ट्रक्शन के लिए क्या हैं नियम

नॉइज़ पलूशन (रेग्युलेशन एंड कंट्रोल) रूल्स, 2000 के रूल 3(1) के मुताबिक किसी इलाके या ज़ोन में किस वक्त अधिकतम कितना शोर हो सकता है, यह तय किया गया है:

इलाका/ज़ोन	दिन	रात
इंडस्ट्रियल	75 dB	70 dB
कमर्शल	65 dB	55 dB
रेजिडेंशल	55 dB	45 dB
साइलेंस जोन	50 dB	40 dB

(टेबल 1)

(नोटः यहां शोर का अधिकतम स्तर दिया गया है।)

इंडस्ट्रियल एरिया वह होता है जहां फैक्ट्रियां और हेवी इंडस्ट्री चलती है। कमर्शल एरिया में दुकानें, दफ्तर और बिजनेस ऐक्टिविटी होती है। रेज़िडेंशल में लोग रहते है, जैसे- कॉलोनियां या हाउसिंग सोसायटी। साइलेंस जोन वे जगहे है जहां 100 मीटर के दायरे में स्कूल, अस्पताल या कोर्ट जैसे संस्थान हों। साइलेंस जोन में कंस्ट्रक्शन के लिए विशेष अनुमति की जरूरत होती है।

कंस्ट्रक्शन के दौरान अमूमन कितना होता है शोर

उपकरण/सोर्स	औसत शोर
जैकहेमर/कंक्रीट क्रशर	100-120 dB
ड्रिलिंग मशीन	90-100 dB
हथौड़े की आवाज़	85-95 dB
क्रेन ऑपरेशन	85-90 dB
लोडिंग/अनलोडिंग ट्रक	95-105 dB
मजदूरों की तेज आवाज	80-90 dB

(टेबल 2)

जरा सोचिए, नियम के मुताबिक जो शोर की अधिकतम सीमा है, कंस्ट्रक्शन के दौरान सबसे कम आवाज का स्तर भी उससे बहुत ऊपर होता है और कंस्ट्रक्शन के दौरान सभी चीजों का शोर एक साथ हो तो यह हमें कितना परेशान कर सकता है।

कैसे पता लगाएं शोर का लेवल

नॉइज़ पलूशन मापने के लिए साउंड लेवल मीटर आता है जो डेसिबल (dB) में शोर का स्तर बताता है। यह 1000 से 2000 रुपये में आसानी से मिल जाता है। मोबाइल पर भी ऐसे कई ऐप हैं (जैसे Sound Meter, Decibel X) जिनसे आम लोग अनुमान लगा सकते हैं कि किसी जगह पर शोर कितना है। इसमें Sound Meter केवल Android पर है और पूरी तरह से फ्री, जबकि Decibel X Android और iOS दोनों प्लैटफॉर्म पर मौजूद है। इसमें कुछ फीचर फ्री है, ज्यादा के लिए पैसे देने पड़ते हैं।

तय की गई है समय सीमा

रूल 5 के अनुसार: रेज़िडेंशल एरिया और साइलेंस ज़ोन में जिस भी कंस्ट्रक्शन से शोर होता है उसके लिए समय सीमा तय की गई है:
- सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक ही निर्माण कार्य कर सकते हैं।
- रात 10 बजे के बाद किसी भी तरह के निर्माण कार्य पर सख्त रोक है।
- रात में ड्रिलिंग, हथौड़ा या लोडिंग-अनलोडिंग जैसे कामों पर पूरी तरह से पाबंदी है।

रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक कैसा भी कंस्ट्रक्शन नही

सिर्फ रेजिडेंशल एरिया और साइलेंस ज़ोन ही नहीं, इंडस्ट्रियल और कमर्शल इलाकों में भी रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक कंस्ट्रक्शन या इससे जुड़ा कोई भी काम नहीं किया जा सकता, भले ही इसका शोर तय की गई सीमा के अंदर हो। अगर कोई अर्जेंट प्रोजेक्ट हो तो निर्माण कार्य के लिए लोकल अथॉरिटी से स्पेशल परमिशन लेनी होती है, लेकिन ऐसा सिर्फ खास हालात में होता है।

रात में बिना शोर वाले कुछ ही काम कर सकते हैं

वैसे तो रात को निर्माण कार्य नही किए जा सकते, लेकिन कुछ कामों को छूट दी गई है। इनमें वे काम शामिल हैं, जिनसे बिलकुल शोर नही होता है। जैसे- पेंट और सजावट का काम।

ऐसे कम हो सकता है शोर

साइलेंट ड्रिल
यह एक ऐसी ड्रिलिंग मशीन है जो सामान्य ड्रिल की तुलना में बहुत कम आवाज करती है। इसमें कम वाइब्रेशन और धीमी गति से काम होता है।

शील्डिंग
निर्माण स्थल को टिन की चादरों, प्लाईवुड या साउंडप्रूफ सामग्री से घेर देना, ताकि शोर बाहर न फैले। इसे नॉइज बैरियर भी कहते हैं।

स्पेशल मटीरियल
स्पेशल मटीरियल जैसे फोम, मिनरल वूल, रबड मैट आदि जिन्हें मशीनों या दीवारों पर लगाकर आवाज को अंदर ही रोका जा सकता है।

लो-नॉइज़ जनरेटर और गाड़ियां
कुछ जनरेटर और कंस्ट्रक्शन वीइकल खास डिजाइन के होते है जो कम शोर करते है। इनका इस्तेमाल करना चाहिए।

Adobe Stock

कंस्ट्रक्शन के लिए आइडियल वक्त: सुबह 8 से शाम 6 बजे

कानून के मुताबिक, रात 10 से सुबह 6 बजे तक कंस्ट्रक्शन पर पूरी तरह से रोक है, लेकिन आदर्श रूप से निर्माण का काम सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक ही होता है क्योंकि अमूमन शहरों में लोग सुबह 8 बजे तक सोते हैं। ऐसे में बेहतर होता है कि सुबह 6 से 8 बजे तक बिना शोर वाला काम जैसे कंस्ट्रक्शन की तैयारी कर सकते हैं। शाम 6 बजे के बाद शोर वाला काम समेट लें और बिना शोर वाला 10 बजे तक समेट लिया जाए।

जब रात में ट्रक होने लगें अनलोड

ट्रक और भारी वाहनों को दिन में हाइवे पर आने की परमिशन नहीं है। ऐसे में जब वे कंस्ट्रक्शन मटीरियल लेकर रात में पहुंचते हैं तो अमूमन उसी समय अनलोडिंग करने लगते हैं। ठेकेदार तर्क दे सकता है कि हम कंस्ट्रक्शन नहीं कर रहे, बस सामान अनलोड कर रहे हैं, लेकिन दिल्ली पुलिस और नगर निगम नियमों के अनुसार, रात में ट्रक को अनलोड करने की अनुमति नहीं है। रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक आवाजाही की परमिशन हो सकती है, लेकिन शोर करना, मटीरियल गिराना आदि सख्त मना है। इसकी शिकायत पर BNS की धारा 223 और नॉइज़ पलूशन रूल्स के तहत कार्रवाई हो सकती है। अगर रेत, ईंट आदि से लदा ट्रक रात में पहुंचता है तो उसे सुबह सूरज निकलने तक अनलोड करने के लिए इंतजार करना होगा।

राज्यों के पास विशेष अधिकार

दिल्ली पलूशन कंट्रोल कमिटी (DPCC) और दूसरे राज्यों में स्टेट पलूशन कंट्रोल बोर्ड (SPCB) के पास एनवायरनमेंट (प्रोटेक्शन) ऐक्ट और नॉइज़ पलूशन रूल्स के तहत जुर्माना लगाने, निर्माण रुकवाने और साइट को सील करने के खास अधिकार होते हैं।

दिल्ली में नियम

- DPCC द्वारा निर्माण स्थलों पर नियम तोड़ने पर अधिकतम 5 लाख रुपये जुर्माना लगाया जा सकता है। यह जुर्माना कंपनी या ठेकेदार पर लगाया जाता है, न कि किसी एक आदमी पर। इसे संस्थागत जुर्माना कहते हैं। यह जुर्माना उस सज़ा से अलग है जो किसी शख्स को BNS के तहत मिल सकती है।

अगर कंस्ट्रक्शन के दौरान शोर से परेशानी हो तो क्या करें?

कब कर सकते है शिकायत: अगर शोर उस ज़ोन की तय सीमा से 10 dB ज्यादा हो और रात में भी कंस्ट्रक्शन चल रहा हो तो इसकी शिकायत की जा सकती है। तब ऐसे कदम उठाएं:

पहला कदम

शांति से बातचीत करें: अगर शोर बहुत ज्यादा है और नियम तोड़े जा रहे हैं तो सीधे बड़ा कदम उठाने से बेहतर है बातचीत करना। इसके लिए कंस्ट्रक्शन साइट पर या पड़ोस में जहां शोर हो, वहां जाएं और ठेकेदार या उस जगह के मालिक से बात करें। उन्हें बताएं कि इतना शोर नियमों के तहत ठीक नहीं है। हो सकता है वह आपकी बात मान जाए और शोर कम हो जाए। अगर ऐसा नहीं होता है तो आगे कदम उठा सकते हैं।

दूसरा कदम

लोकल अथॉरिटी से संपर्क करें: जैसे नगर निगम से संपर्क करें या फिर स्टेट पलूशन कंट्रोल बोर्ड (SPCB) के ऑफिस जाकर या वेबसाइट पर शिकायत करें।

तीसरा कदम

पुलिस में शिकायत: अगर परेशानी हल न हो तो पुलिस हेल्पलाइन (100 नंबर, अब 112 भी है), लोकल पुलिस स्टेशन में शिकायत करें। BNS (भारतीय न्याय संहिता) के सेक्शन 223, 292 के तहत शिकायत दर्ज करा सकते हैं।
शिकायत में शामिल करें: जगह का नाम, समय और दिन। साथ में विडियो/ऑडियो सबूत।
अगर पुलिस सुनवाई न करे तो...
RTI से पूछ सकते हैं कि कार्रवाई क्यों नहीं हुई? इसके अलावा NGT या हाईकोर्ट में जनहित याचिका (PIL) दाखिल की जा सकती है।

क्या हो सकती है कार्रवाई

BNS (भारतीय न्याय संहिता) का सेक्शन 223: सरकार द्वारा तय कानून या आदेश को न मानना
अगर सरकार या किसी अधिकारी (जैसे जिलाधिकारी, पुलिस) ने कोई नियम या आदेश जारी किया है और कोई शख्स उसे जानबूझकर नहीं मानता तो यह कानून तोड़ने की कैटिगरी में आता है।
उदाहरण: रात में कंस्ट्रक्शन न करने के आदेश को न मानना।
सज़ा: 6 महीने तक की जेल, 2500 रुपये तक जुर्माना या दोनों।

धारा 292: सार्वजनिक स्थान पर दूसरों को परेशान करना
अगर कोई शख्स ऐसा कुछ करता है जिससे लोगों को सार्वजनिक जगह पर तकलीफ या असुविधा होती है, जैसे बहुत तेज़ शोर करना तो उस पर यह धारा लगाई जा सकती है।
उदाहरण: अगर कोई ठेकेदार लगातार तेज़ मशीन चलाकर आसपास के लोगों को परेशान कर रहा है।
सज़ा:1000 रुपये तक का जुर्माना।

एनवायरनमेंट (प्रोटेक्शन) ऐक्ट, 1986 धारा 15: गंभीर मामलों में
यह कानून गंभीर मामलों में लागू होता है जहां पर्यावरण और आम जनता को नुकसान हो रहा हो।
उदाहरण: जब निर्माण कार्य से लगातार शोर हो रहा है जिससे पास के स्कूल, अस्पताल या रिहायशी इलाके के लोग परेशान हैं।
सज़ा: 5 साल तक की जेल या 1 लाख रुपये तक जुर्माना या दोनों। अगर अपराध रोज़ाना जारी रहता है तो 5000 रुपये प्रति दिन का अतिरिक्त जुर्माना भी लग सकता है।
1 साल से ज्यादा समय तक नियम तोड़ना जारी रहा तो 7 साल तक की जेल।

NGT कर सकता है कार्रवाई

नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) एक खास अदालत है जो पर्यावरण से जुड़ी शिकायतों पर फैसला सुनाती है। अगर कोई कंपनी या ठेकेदार कंस्ट्रक्शन के दौरान ज्यादा धूल या शोर करता है, रोक के बावजूद रात में मशीनें चल रही हों तो NGT जुर्माना लगा सकता है।
कितना जुर्माना: 50,000 रुपये से 5 लाख रुपये या उससे भी ज्यादा।

Adobe Stock

नगर निगम भी कर सकता है कार्रवाई

नगर निगमों या DDA (दिल्ली डिवेलपमेंट अथॉरिटी) के पास भी यह अधिकार होता है कि अगर किसी बिल्डिंग या कंस्ट्रक्शन का काम बिना मंज़ूरी के हो रहा है या वहां शोर के नियमों का उल्लंघन हो रहा है तो वे कड़ी कार्रवाई कर सकते हैं।
क्या कार्रवाई: निर्माण स्थल को सील कर सकते हैं। 50,000 से 5 लाख तक का जुर्माना लगा सकते हैं।
नोट: पुलिस के पास जाने पर BNS के तहत कार्रवाई होगी, जबकि NGT, SPCB और DPCC में इनवायरमेंट (प्रोटेक्शन) ऐक्ट और नॉइज़ पलूशन रूल्स के तहत कार्रवाई होगी। वहीं, नगर निगम MCD Act के तहत कार्रवाई करता है।

इस तरह जुटाएं सबूत

1. **ऑडियो रिकॉर्डिंग:** नॉइज़ पलूशन की ऑडियो रिकॉर्डिंग करना एक अच्छा तरीका हो सकता है। अपने स्मार्टफ़ोन या डिजिटल रिकॉर्डर का इस्तेमाल कर सकते हैं।
2. **विडियो रिकॉर्डिंग:** विडियो रिकॉर्डिंग भी एक सही तरीका हो सकता है, खासकर अगर शोर के सोर्स को दिखाना चाहते हैं। ध्यान रखें कि रिकॉर्डिंग के दौरान कोई विवाद न हो जाए।
3. **साउंड लेवल मीटर का इस्तेमाल:** इसका इस्तेमाल करके शोर के स्तर को माप सकते हैं और इसके रिजल्ट को रिकॉर्ड कर सकते हैं।
4. **गवाहों के बयान:** अगर आसपास के लोग भी शोर से परेशान हैं तो उनके बयान ले सकते हैं और सबूत के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

जब टावर-दर-टावर कंस्ट्रक्शन करे बिल्डर: अगर बिल्डर फेज़वाइज या टावर-दर-टावर कंस्ट्रक्शन कर रहा है और इससे लंबे समय तक धूल, शोर और दूसरे पलूशन झेलने पड़ रहे हैं तो निवासी कई कानूनी रास्ते अपना सकते हैं। रियल एस्टेट रेग्युलेटरी अथॉरिटी (RERA) के तहत शिकायत दर्ज कर सकते हैं और कंस्ट्रक्शन वक्त पर पूरा करने, पलूशन कंट्रोल के उपाय लागू करने व मुआवज़े की मांग कर सकते हैं।

बजरी खनन पर रोक बेअसर, सिरोही में माफियाओं के आगे प्रशासन बेबस

झाड़ोली नदी में बजरी से लदा ट्रैक्टर फंसा, दूसरा फरार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। जिले में अवैध बजरी खनन पर रोक के बावजूद माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। बारिश में भी खुलेआम खनन और बजरी का परिवहन हो रहा है। शनिवार को झाड़ोली नदी में बजरी से भरा एक ट्रैक्टर फंस गया। इस दौरान दूसरा ट्रैक्टर मौके से भाग निकला। सूचना पर खनिज विभाग की टीम मौके पर पहुंची। खनिज अभियंता चंदन कुमार के निर्देश पर फोरमैन सुमन कुमार ने कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर जब्त कर पिण्डवाड़ा थाने भिजवाया। विभाग ने प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बजरी माफियायों का नेटवर्क सक्रिय

आबूरोड क्षेत्र के किवरली, कारोली, देलदर और मोरथला, गिरवर, आमथला, ओर, देलदर, सहित पिण्डवाड़ा तहसील के कोजरा, स्वरूपगंज, भावरी, झाड़ोली, रोहिड़ा, व जनापुर गांवों में अवैध खनन लगातार जारी है। सिरोही तहसील और शिवगंज क्षेत्र की नदियों से भी बेखौफ होकर बजरी निकाली जा रही है।

संरक्षण का आरोप

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासनिक सख्ती सिर्फ दिखावे तक सीमित है। माफियाओं को संरक्षण मिलने के कारण कार्रवाई का असर कहीं नजर नहीं आता। लोगों ने मांग की है कि खनन पर रोक के लिए लगातार निगरानी और सख्त कदम उठाए जाएं। लेकिन जिम्मेदार बजरी माफियां के आगे नतमस्तक नजर आ रहें है।

जरूरत कड़ी निगरानी की

विशेषज्ञों का कहना है कि अवैध बजरी खनन को रोकने के लिए जिले में सख्त निगरानी, चौकसी और लगातार कार्रवाई जरूरी है। वरना नदियों का अस्तित्व और पर्यावरण दोनों खतरे में पड़ सकते हैं। बारिश में यह हालत उपजे है तो फिर अन्य दिनों में क्या होंगे।

पुलिस की मेहरबानी भी सवालों के दायरे में

हर गांव में बिट कॉस्टेबल से लेकर बिट प्रभारी नियुक्त होता है उसके बावजूद भी अवैध बजरी माफियाओ पर कोई कानूनी एक्शन न होना क्या दर्शाता है.? क्या बिट कॉस्टेबल से लेकर थाना क्षेत्र के आसूचना अधिकारी का सूचना तंत्र कमजोर है या फिर कार्रवाई न करने के पीछे कोई बड़ा राज छुपा है यह गहन चिंतन का विषय है।

न्युवोको विस्टास पूर्वी भारत में करेगा विस्तार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ। भारत की विश्वसनीय बिल्डिंग मटेरियल कंपनी और क्षमता के आधार पर देश की पांचवीं सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी, न्युवोको विस्टास कॉर्प. लिमिटेड ने अपनी व्यावसायिक रणनीति के अनुरूप पूर्वी भारत में विस्तार योजनाओं की घोषणा की। कंपनी सतत् विकास के लिए कई परियोजनाओं पर काम कर रही है, ताकि अपनी बाजार पहुंच और उपस्थिति को और विविध बनाया जा सके। न्युवोको विस्टास अपने अरसमेटा सीमेंट प्लांट में एक नई मिल जोड़ने और जोजोबेरा, पानागढ़ और ओडिशा सीमेंट प्लांट में डिबॉटलनेकिंग परियोजनाओं के जरिए पूर्वी भारत में अपनी उपस्थिति को मजबूत कर रही है। कंपनी उपकरणों के उन्नयन, प्रक्रियाओं में सुधार और आंतरिक डिबॉटलनेकिंग पहलों के माध्यम से वित्त वर्ष 2026-27 के अंत तक लगभग 4 एमएमटीपीए की अतिरिक्त ग्राइंडिंग क्षमता जोड़ने की योजना बना रही है। मुख्य लक्ष्यों में वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के दौरान 1 एमएमटीपीए, वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 2 एमएमटीपीए और वित्त वर्ष 2026-27 में 1 एमएमटीपीए की अतिरिक्त क्षमता जोड़ना शामिल है। इन सुधारों से अगले 18 महीनों में पूर्वी भारत में न्युवोको की कुल सीमेंट क्षमता 20: से अधिक बढ़कर 19 एमएमटीपीए से बढ़कर 23 एमएमटीपीए तक पहुंच जाएगी। न्युवोको लगातार अपनी फैक्ट्रियों को अपग्रेड कर रही है, ताकि ग्राहकों की बदलती ज़रूरतों को पूरा किया जा सके और उन्हें बेहतर सेवा दी जा सके। इस मौके पर न्युवोको विस्टास कॉर्प. लिमिटेड के प्रबंध निदेशक जयकुमार कृष्णस्वामी ने कहा कि भारत में सीमेंट की मांग वित्त वर्ष 2025-26 में 7-8 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है, और हम लंबी अवधि के विकास पथ पर मज़बूती से आगे बढ़ रहे हैं। हाल ही में वद्राज सीमेंट लिमिटेड के अधिग्रहण और मौजूदा सुविधाओं के उन्नयन में किए गए निवेश हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं कि हम पूर्वी भारत में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखते हुए पश्चिमी और उत्तरी बाज़ारों में भी हिस्सेदारी बढ़ाना चाहते हैं।

कार बही, सभी की मृत्यु, विधायक आक्या ने घर जाकर जताया दुःख

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभानसिंह आक्या ने सोमी के पास बनास नदी में बीते दिनों कार बह जाने से उसमें सवार व्यक्तियो की डुबने से हुई मृत्यु पर दुःख व्यक्त करते हुए आकोला में परिवार के मुखिया देवी लाल गाडरी के घर जाकर शोक व्यक्त किया व उन्हे हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया। इस अवसर पर नगर पालिका अकोला के उपाध्यक्ष भेरूलाल जाट, बुथ अध्यक्ष पन्नालाल गाडरी, पं.स. सदस्य प्रतिनिधी कालूराम माली, पं.स. सदस्य प्रतिनिधी रतन लाल गाडरी सुखवाडा, पृथ्वीराज गाडरी, भेरूलाल गाडरी आदि उपस्थित थे।

समाज सेवी ललित शर्मा अध्यापक को रिटायरमेंट पर दी शुभकामनाएँ

झालावाड़ @ जागरूक जनता। सर्व ब्राह्मण समाज सुनेल जिला झालावाड द्वारा सुनेल निवासी अध्यापक ललित शर्मा द्वारा 31/8/2025 को राजकीय सेवा अवधी सह सम्मान पूर्ण करने पर तहसील सुनेल सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा उनके आवास पर जाकर साफा माला और भगवान का छाया चित्र भेटकर कर बधाई और शुभकामनाएँ दी गई। यह जानकारी जुगलकिशोर अवस्थी ने दी।

गंतव्य संस्थान के तत्वाधान में 25 वां राष्ट्रीय स्त्री शक्ति सम्मान समारोह संपन्न

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में गंतव्य संस्थान के द्वारा सृष्ठि की निर्मात्री, प्रथम गुरु ममता की मूरत व परिवार की रक्षा करने वाली नारी के सम्मान में देश की लगभग 62 प्रतिभाशाली स्त्रियों को राष्ट्रीय स्त्री शक्ति सम्मान 2025 एवं 15 प्रतिभाशाली पुरुषों को गंतव्य राष्ट्रीय गौरव सम्मान 2025 से अलंकृत किया गया।

यह सम्मान देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पुत्र कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सुनील शास्त्री (पूर्व सांसद एवं मंत्री), मंगतराम सिंघल (पूर्व विधायक एवं मंत्री) और अन्य गणमान्य विभूतियों के कर कमलों द्वारा देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये प्रतिभावान अवार्डीज को विशेष उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। जिनमें देश के विभिन्न राज्यों से

पधारी स्त्री शक्ति में अर्चना ज्योति, अल्का निम,अहिल्या पाठक, आर जे रेखा, आरती रावल, इशिका शर्मा, डॉ. निक्की डबास, डॉ मुक्ता मिश्रा, डॉ. कीर्ति त्यागी, समीरा छुगानी, डॉ.नीतू सिंह राय, डॉ.कीर्ति त्यागी, मीरा बंदरवाल, जया मौर्या,कांता देवी,रश्मि डावरा, ललिता जाजोरिया, हुमा खान,बिमलेश सिंह, बबीता यादव, यास्मीन मूमल, सीमा शर्मा,प्रतिभा शुक्ला, प्रीति रानी, सीमा डोगरा, सीमा तीर्थराज यादव आदि महिलाएं राष्ट्रीय स्त्री शक्ति सम्मान से सम्मानित हुई। इसी के साथ पुरुष प्रतिभावान विशेष उपलब्धि में "गंतव्य राष्ट्रीय गौरव सम्मान" चित्रकार संजय कुमार गिरी, अमन प्रीत सिंह, डॉ.आशीष श्रीवास्तव, तारीफ सिंह, राजेश भारती, कुलभूषण शर्मा,इंद्रपाल सिंह,रोटी बैंक फाउंडेशन, शर्मानंद त्यागी, राजीव कुमार, गणेशदास स्वामी,गोविंदराम पंत,राघव कृपापात्र भास्कर आदि को सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम के आयोजक डॉ. अरविंद कुमार त्यागी राष्ट्रीय अध्यक्ष (गंतव्य संस्थान दिल्ली) एवं चन्द्रकान्ता सिवाल 'चन्द्रेश' ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम का मंच संचालन कवि आशीष वास्तव ने बेहतरीन अंदाज़ में किया।

अपहरण का आरोपी बरी, न्यायालय ने दिया संदेह का लाभ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

केकड़ी। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या क्रम संख्या 02 केकड़ी हिरल मीणा ने अपहरण व गलत तरीके से रोके रखने के मामले में आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त घोषित किया है। प्रकरण के तथ्यों के अनुसार पुलिस थाना भिनाय में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दिनांक 25/03/2021 को उसकी नाबालिग पुत्री शाम के समय करीब 7 बजे के करीब घर से नोहरे में जाकर आने की बात कहकर निकली थी, परन्तु शाम तक वापस घर नहीं पहुची, जिस पर उसके मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया, परन्तु उसका मोबाइल बंद आ रहा था परिवादी ने आसपास व रिश्तेदारों सेजानकारी की लेकिन परिवादी की पुत्री का कही पता नहीं लगा। जिस पर पुलिस थाना भिनाय ने अनुसन्धान कर परिवादी की पुत्री को अभियुक्त महेंद्र माली के साथ गिरफ्तार कर लिया तथा अभियुक्त महेंद्र के विरुद्ध अपराध अंतर्गत धारा 363, 344 भा. द. सं. का आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया मुलजिम की पैरवी अधिवक्ता गजेन्द्र कुमार पाराशर द्वारा की गई। अभियुक्त अधिवक्ता ने बताया की अभियोजन पक्ष अपने द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य से अपना मामला साबित करने में असफल रहा है। अभियोजन की ओर से परीक्षित करवाए गए गवाहन के कथनों में गंभीर विरोधाभास है। अभियुक्त को इस प्रकरण में झूठा फसाया गया है। फलस्वरूप, अभियुक्त को संदेह का लाभ दिया जाकर दोषमुक्त किया जावे। न्यायालय ने अभियुक्त अधिवक्ता के कथनों से सहमत होते हुए अभियुक्त को संदेह का लाभ दिया जाकर दोषमुक्त करने का निर्णय दिया।

बड़ी संख्या में लोगों को उजाड़ कर डूंगरी बांध बनाना क्यों जरूरी है?

डूंगरी बांध का निर्माण सनातन धर्म क्षेत्र गांवों को पहले स्टेज में ही प्रभावित कर रहा है। यहां एक एक गाँव में 5 से लेकर 10 अलग-अलग तरह मंदिर हैं जैसे बालाजी, भैरुजी, माताजी, ठाकुरजी और कोई अन्य प्रकार के मंदिर हैं, जिनमें प्रत्यक्ष और अपक्ष रूप से 5 से लेकर 10 परिवार निर्भर हैं। अगर यह बांध बन गया तो क्षेत्र में 10 गुना मतलब 707 मंदिरों में काम करने वाले परिवार प्रभावित होंगे। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां कितने लोग काम करते होंगे। मैं आपको कहना यह चाहता हूं कि अगर यह बांध बनेगा तो कितने लोगों को बेरोजगारी का सामना करना पड़ेगा। प्रभावित परिवारों के बच्चे बेरोजगार होंगे। हजारों लोगों की यहां पर दुकानें हैं वे बेरोजगार होंगे। सभी पंडित, पुजारी, नाथ, महाराज, ब्राह्मणों लोग यहां रोजगार करते हैं। यहां घनी आबादी क्षेत्र भी है। खेतों में काम करने वाले भी बेरोजगार होंगे। इसलिए मैं फिर सरकार को आगाह करता हूं कि यह डूंगरी बांध किसी भी तरह से मानवता के हित में नहीं है। उसको तुरंत प्रभाव से रोकना ही एक उचित कदम रहेगा, अन्यथा यह इस युग की सबसे बड़ी जाने अनजाने में दुर्घटना का केंद्र बनने जा रहा है। मैं आपको अवगत करा देना चाहता हूं कि इस क्षेत्र में डूंगरी बांध की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। क्योंकि इस क्षेत्र में पर्याप्त पानी है। इस क्षेत्र के चारों ओर नदियों का बहाव है। एक ओर चंबल, दूसरी ओर बनास है। यहां छोटे-मोटे एनीकट के लिए मना नहीं है। यहां की जमीन का जलस्तर बढ़िया और वॉटर अवेलेबिलिटी जनरेट करने के लिए यहां पावर प्लांट लगाने के लिए किसानो की जमीन को रोकते हैं और किसी पार्टिकुलर प्रोजेक्ट के लिए यहां डूंगरी बांध डेडीकेटेड कर किसी को गिफ्ट में देते हैं तो यह सारा असर मानवता की हत्या होगी। जो बिल्कुल भी ना तो यह सरकार के हित में रहेगा ना ही आने वाले इलेक्शन में बढ़त दिलाएगा। ना ही स्थानीय लोगों के हित में रहेगा। ऐसे में इस बांध को बनाने क्या जरूरत है क्या दबाव है जो सरकार इस बांध को बनाना ही चाहती है। इस बांध के प्रोजेक्ट में यह रिक्वेस्ट स्पष्ट लिखा गया है कि इसकी 39 मीटर ऊंचाई है तो यह हाइड्रो इलेक्ट्रिसिटी जनरेट करने के लिए बेस्ट सूटेबल प्रोजेक्ट बनाया जा रहे हैं और इसमें एडवांस में ऑलरेडी 200 बीघा जमीन अदानी ग्रुप को दे दी गई है जो कि यहां पर हाइड्रोलिक सिटी पावर जेनरेट करेगा। साथ ही नियर बाय रीको इंडस्ट्रियल एरियाडेवलप होगा।

हिमांशु मीणा
समाजविद्
@jagrukjanta.net

(यह लेखक के अपने विचार हैं)

हजरत दीवान शाह की दरगाह पर रिटायर्ड जिला सत्र न्यायाधीश अरुण कुमार पारीक ने की चादर पेश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कपासन। प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. की दरगाह शरीफ पर रिटायर्ड जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरूण कुमार पारिक ने अपने साथियों के साथ चादर व फूल पेश कर मुल्क में अमनो सुकून की दुआ की। दरगाह वक्फ कमेटी के सैक्रेट्री मोहम्मद अब्बास अशरफी के अनुसार रिटायर्ड जिला एवं सत्र न्यायाधी अरूण कुमार पारिक के साथ जयपुर के भा.ज.पा. नेता एवं एडवोकेट सरदार इन्द्र मोहन, दीपक सिंह, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड के भानेज प्रवीण धनखड के साथ भा.ज.पा. अल्पसंख्यक के पूर्व जिला अध्यक्ष एडवोकेट सैयद अशफाक अली व हाजी सैयद अशरफ अली ने चादर व फूल पेश कर मुल्क मे अमनों सुकून की दुआ की। वक्फ कमेटी सदस्य एवं नगरपालिका उपाध्यक्ष सैयद ऐजाज अली, असलम शैख, हाजी साबिर पुंवार, हाजी शराफत भाटी, हाजी अब्दुर्रहमान मंसूरी ने सभी की दस्तारबंदी कर श्रीफल भेंट किया।

समाजसेवी ब्रह्मानन्द को जन्म दिवस पर दी शुभकामनाएँ

झालावाड़ @ जागरूक जनता। सुनेल जिला झालावाड में समाज सेवी ब्रह्मानन्द श्रंग्री अध्यापक का 1 सितम्बर को जन्मदिन उपलक्ष्य में सर्व ब्राह्मण समाज सुनेल द्वारा उनके आवास पर जाकर राजस्थानी साफा माला और भगवान राम का छाया चित्र भेटकर उनके जीवन में निरोगी समाज सेवा और सह कुशल नेतृत्व की कामना की गई।

शेख़ समाज वेलफेयर सोसायटी की कैबिनेट बैठक आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। शेख़ समाज वेलफेयर सोसायटी चित्तौड़गढ़ की कैबिनेट बैठक रविवार को दरगाह शरीफ हज़रत ग़ाज़ी बादशाह साहब रहमतुल्लाह अलैहे पर आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता सोसायटी के सरपरस्त जनाब हसीनुद्दीन शेख़ एवं सदर जनाब इरशाद मोहम्मद शेख़ ने की। बैठक में सचिव रफीक मोहम्मद शेख़ ने सोसायटी के रजिस्ट्रेशन, दर्पण रजिस्ट्रेशन, पैन कार्ड व बैंक अकाउंट सहित प्रशासनिक कार्यों की जानकारी दी। वहीं, केशियर मोहम्मद इमरान शेख़ ने बैंक खाता खुलवाकर उसमें पहली राशि 25 हजार रुपये जमा करवाने और खातों की स्थिति से अवगत कराया। इस दौरान समाज सुधार को लेकर महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। इनमें शादियों में बफर डिनर, डीजे साउंड, आतिशबाजी और नाच-गाना बंद करने, मेहमानों को ज़मीन या टेबल-कुर्सी पर बैठाकर भोजन कराने, सामूहिक विवाह सम्मेलन शुरू करने, बच्चों की शिक्षा में सहयोग तथा परिवारों का संपूर्ण बायोडाटा तैयार करने जैसे निर्णय शामिल रहे।

ईद मिलादुन्नबी पर कौमी एकता के साथ तबर्रुक व शरबत की स्टॉल लगाने और समाज के खाने के कार्यक्रमों के लिए मुस्लिम केटरिंग टीम बनाने पर भी चर्चा की गई। बैठक में नायब सदर इरफान शेख़, प्रवक्ता शकीलुद्दीन शेख़, मोहम्मद शकील शेख़, शकील मोहम्मद शेख़ (राज. पुलिस), हाजी अब्दुल रज्जाक शेख, हाजी अब्दुल हकीम शेख़, मोइनुद्दीन शेख़, हयात मोहम्मद, सरफराज शेख़, शकील अहमद शेख सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। अंत में सरपरस्त जनाब हसीनुद्दीन शेख़, हाजी अब्दुल लतीफ़ शेख़ ने बैठक को सफल बनाने पर सभी पदाधिकारियों व सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

जोधपुर-जयपुर वंदेभारत जल्द, किराया निर्धारित

जोधपुर @ जागरूक जनता। जोधपुर से जयपुर व दिल्ली के लिए बहुप्रतीक्षित वन्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के संचालन को लेकर तैयारियां की जा रही है। प्रस्तावित किराया सूची के अनुसार जोधपुर से जयपुर का चेयरकार श्रेणी का किराया 930, जबकि एक्जीक्यूटिव श्रेणी का किराया 1735 रुपए है।

2 हजार नंद घर बच्चों को शुरुआती पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान कर रहे

हिन्दुस्तान जिंक द्वारा पोषण और स्वास्थ्य के लिए की जा रही पहल के माध्यम से 3.7 लाख से अधिक महिलाएं और बच्चे लाभन्वित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। दुनिया की सबसे बड़ी जिंक उत्पादक और शीर्ष 5 सिल्वर उत्पादकों में से एक, हिन्दुस्तान जिंक बुनियादी स्तर पर पोषण और स्वास्थ्य को बढ़ावा दे रही है, जिससे राजस्थान में करीब 3.7 लाख महिलाऐ और बच्चे लाभान्वित हो रहे है। कंपनी प्रदेश में लगभग 2000 नंद घरों के जरिए बड़ा बदलाव ला रही है। इन नंद घरों में पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएँ और ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने की सुविधाएँ दी जाती हैं। पोषण माह 2025 के दौरान, हिन्दुस्तान ज़िंक ने चार मोबाइल हेल्थ वैन के माध्यम से राजस्थान में अपने संचालन क्षेत्रों में स्तनपान, कुपोषण, एनीमिया और संतुलित आहार के बारे में लोगो को जागरूक किया। इसके साथ ही, स्वास्थ्य और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए, वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन का आयोजन भी किया जा रहा है, जिसमें दुनिया भर के हजारों धावक फिटनेस के लिए दौड़ेंगे और "जीरो हंगर" के उद्धेश्य को बढ़ावा देंगे।

अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की प्रमुख पहल, नंद घर, आंगनवाड़ियों को आधुनिक रूप देकर विकसित किये गए हैं। इन्हें एकीकृत बाल विकास सेवाओं के साथ मिलकर, चार मुख्य स्तंभों- पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएँ और महिला सशक्तिकरण पर बनाया गया है। हर नंद घर में डिजिटल लर्निंग टूल, सौर ऊर्जा, शुद्ध पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाएँ मौजूद हैं, साथ ही महिलाओं के लिए कौशल विकास के अवसर भी उपलब्ध हैं। हिन्दुस्तान ज़िंक के आस पास के संचालन क्षेत्रों में, करीब 2 हजार नंद घर, बच्चों के शुरुआती विकास, माताओं के बेहतर स्वास्थ्य और ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण में सहायता कर रहे हैं, जिससे लगभग 3.7 लाख महिलाएं और बच्चे लाभान्वित हो रहे है।

पोषण और स्वास्थ्य की समझ को क्लासरूम और सामुदायिक केंद्रों से आगे ले जाते हुए, वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन एक ऐसा मंच बन गया है जो फिटनेस को एक उद्देश्य के साथ जोड़ता है। भारत की सबसे सुंदर मैराथन के रूप में जानी जाने वाली, इसकी पहली मैराथन में दुनिया भर से 5 हजार से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया, जिसमें दिव्यांग बच्चों के लिए रेस विद चैंपियंस का भी आयोजन किया गया और नंद घर के रन फॉर जीरो हंगर अभियान को भी बढ़ावा मिला। 21 सितंबर को पोषण माह 2025 के दौरान होने वाली इसकी दूसरी मैराथन भी समुदायों को साथ लाने, फिटनेस को बढ़ावा देने और पोषण देने व कुपोषण मुक्त समुदाय के महत्व को बताने किये महत्वपूर्ण है।

पोषण माह के दौरान, हिन्दुस्तान ज़िंक ने चार मोबाइल हेल्थ वैन को स्वास्थ्य सेवा पहल के तहत 110 गाँवों में जानकारी प्रदान करने हेतु तैनात किया है। इन वैन के माध्यम से आंगनवाड़ी केंद्रों, स्कूलों और सामुदायिक केंद्रों पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। इस पहल का ध्यान स्तनपान, कुपोषण, एनीमिया से बचाव और संतुलित आहार पर था। हेल्दी थाली मॉडल के जरिए, स्वास्थ्य में लगातार सुधार के लिए सरल और स्थानीय पोषण तरीकों को समझाया गया।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक ☐☐☐☐☐☐ (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

अंत्योदय की संकल्पना को साकार करेगा शहर चलो अभियान

शहरों में बुनियादी सुविधाओं का होगा सुदृढ़ीकरण-शर्मा

15 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलेगा अभियान, 4 से 13 सितम्बर तक आयोजित होंगे प्री-कैम्प

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का प्रमुख ध्येय अंत्योदय की संकल्पना को सिद्धि की ओर ले जाते हुए अंतिम छोर के व्यक्ति को अधिक से अधिक राहत पहुंचाना है। 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक संचालित होने वाला शहर चलो अभियान इस उद्देश्य की प्राप्ति में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने अधिकारियों को अभियान के सफल संचालन के लिए प्रभावी कार्ययोजना के अंतर्गत कार्य करने के लिए निर्देशित किया, ताकि शहरी निकायों में बुनियादी नागरिक सुविधाएं सुदृढ़ हों और सेवाओं को नई गति मिले। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अभियान से पूर्व 4 से 13 सितम्बर तक प्री-कैम्प आयोजित किए जाएं। इस दौरान अधिकारी शहरी निकायों के वार्डों में पहुंचें और पार्षदों से चर्चा कर समस्याओं का चिन्हीकरण करें। इससे आमजन को मुख्य कैम्प के दौरान सुगम और त्वरित राहत मिल सकेगी।

जन उपयोगी कार्यों के त्वरित निस्तारण से आमजन को मिलेगी राहत

मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी निकायों में सफाई व्यवस्था सुधार, नई स्ट्रीट लाइट्स लगाने, आवारा पशुओं को पकड़ने, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र, सार्वजनिक स्थानों का रखरखाव और सौंदर्यकरण, सड़क मरम्मत जैसे जनोपयोगी कार्य इस अभियान में किए जाएंगे।

काजीपुरा भैरव घाटी में जल्द शुरू होगी लैपर्ड सफारी-देवनानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विस अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने वन विभाग को निर्देश दिए कि बजट घोषणा के अनुरूप काजीपुरा भैरव घाटी में लैपर्ड सफारी के लिए डीएफएमटी के तहत स्वीकृत राशि का कार्य जल्द पुरा करें, ताकि आमजन के लिए यह लैपर्ड सफारी शुरू की जा सके। इसके साथ ही देवनानी ने नौसर घाटी में स्थित वन विभाग की चौकी में स्टाफ नहीं होने की मिल रही शिकायतों को भी गंभीरता से लिया और वन विभाग के अधिकारियों को तत्काल स्टाफ की नियुक्ति कर चौकसी बढ़ाने के निर्देश दिए। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर जिले के सर्किट हाउस में वन विभाग से सम्बन्धित कामकाज पर चर्चा की। देवनानी ने तारागढ़ क्षेत्र में पिछले दिनों वन भूमि पर हुए अतिक्रमण के खिलाफ कार्यवाही का फॉलोअप भी लिया और शेष अतिक्रमणों पर कोर्ट स्टे खारिज करवाकर उन्हें भी अतिक्रमण मुक्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने तारागढ़ क्षेत्र में पिछले दिनों अतिक्रमण मुक्त हुई भूमि पर दुबारा अतिक्रमण ना हो इस दिशा में भी अधिकारियों को उचित कार्यवाही और निगरानी के निर्देश दिए है। साथ ही नौसर घाटी व आस-पास के क्षेत्रों में वन विभाग की भूमि पर बड़े स्तर पर हो रहे अतिक्रमणों पर भी ठोस कार्यवाही करने के लिए कहा है।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

आस्था, संस्कृति और समरसता का अद्भुत संगम श्री वीर तेजा मेला-2025-शेखावत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। लोक आस्था और ऐतिहासिक परंपराओं के प्रतीक श्री वीर तेजा मेला - 2025 में उस समय उत्साह और उल्लास का विशेष संचार हुआ जब केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ब्यावर में सुभाष उद्यान स्थित मेला स्थल पर आयोजित भव्य सांस्कृतिक संध्या में उपस्थित हुए।अजमेर से प्रस्थान कर कल शाम को ब्यावर पहुंचे मंत्री जी का नागरिकों, महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा एवं सांस्कृतिक रंगों के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया।

अपने उद्बोधन में शेखावत ने कहा कि इस अंचल की परंपराएं और मेले हमारी सामाजिक-सांस्कृतिक धरोहर हैं। इनका संरक्षण और विस्तार करना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि तेजाजी महाराज का जीवन आदर्श और प्रेरणादायी है, जो हमें समरसता, उत्तरदायित्व और संकल्प की याद दिलाता है। यह मेला केवल सांस्कृतिक उत्सव ही नहीं बल्कि समाज को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री के स्वदेशी मंत्र को दोहराते हुए 'लोकल फॉर लोकल' की महत्ता पर बल दिया और कहा कि ऐसे मेलों के माध्यम से स्थानीय संस्कृति, कला और उत्पादों को बढ़ावा देना हम सबका कर्तव्य है। इस अवसर पर उन्होंने तेजा नवमी और दशमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। शेखावत ने सभी नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए मेले का आनंद शांति, सुरक्षा और सौहार्द्र के साथ लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर भागीरथ चौधरी, सांसद अजमेर एवं केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, सांसद महिमा कुमारी मेवाड़, विधायक शंकर सिंह रावत, आयुक्त दिव्यांश सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

रश्मि सहित 17 को आज मिलेगी दीक्षाएं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बीकानेर। समीपवर्ती गांव उदासर में आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या मुमुक्षु रश्मि महनोत की दीक्षा के उपलक्ष में भव्य जुलूस निकाला गया। ज्ञात रहे कि तीन सितंबर को अहमदाबाद में रश्मि महनोत सहित 17 दीक्षाएं आचार्य श्री महाश्रमण जी द्वारा होनी है, उदासर में विराजित "शासन श्री" साध्वी शशिरेखा जी ने रश्मि महनोत को संयम के पथ पर चलने के लिए अनुमोदना एवं मंगलकामना व्यक्त की, साध्वी श्री ने रश्मि महनोत के माता पिता विजय लक्ष्मी- विजयराज जी महनोत को इस पुनीत अवसर के लिए बधाई दी। जुलूस में तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ किशोर मंडल एवं तेरापंथ कन्या मंडल का विशेष सहयोग रहा, इस अवसर पर तेरापंथ समाज के कमल महनोत, डालचंद पुगलिया, विजय कुमार, भैरूंदान, पवन महनोत, मालचंद रामपुरिया, पवन बोथरा राजलदेसर, सुरेश पुगलिया राजेरां, बसंत नौलखा एवं समाज के अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे

मंगलमुखी हनुमान मंदिर आश्रम संस्थापक श्री श्री 1008 योगीराज श्री रघुवीर दास महाराज अयोध्या धाम का साकेतवास, भंडारा प्रसादी, चरण कमल स्थापना गद्दी उपाधि कार्यक्रम आयोजित

रामलोचन दास को प्रमुख संतो ने गद्दी पर बैठा कर ओढाई चादर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर कृष्णा कॉलोनी नया खेड़ा अंबाबाड़ी श्री मंगलमुखी हनुमान मंदिर आश्रम के संस्थापक श्री श्री 1008 योगीराज श्री रघुवीर दास महाराज अयोध्या धाम के साकेतवास होने के उपरांत भंडारा प्रसादी व चरण कमल स्थापना गद्दी उपाधि का कार्यक्रम आयोजित हुआ। महंत श्री रामानंद दास और उत्तराधिकारी रामलोचन दास को कई प्रमुख सन्तो ने गद्दी पर बैठा कर चादर ओढाई। कार्यक्रम में श्री महंत श्री बृजमोहन दास महाराज अखिल भारतीय तेरह भाई त्यागी खाक चोक अयोध्या श्रीमहंत श्री कृष्ण गोपाल दास महाराज गोपालपुरा, महंत श्री राधिका दास त्यागी फौजी बाबा, महंत श्री राम भजन दास, महंत श्री राम प्रसाद दास, महंत अयोध्या दास, महंत श्री सनातन दास जी महाराज, पापड़ वाले हनुमान मंदिर श्री रामसेवक दास जी महाराज, वेदांती महाराज व हवामहल विधायक बालमुकुन्दाचार्य हाथोज धाम पधारे। आनंददास, रोहन, विश्व हिंदू परिषद जयपुर महानगर से मुकुल सिंह साँचोरा, भूपेंद्र पटवा, पूरण आदि काफी सँख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में सभी के लिए भंडारा प्रसादी का आयोजन किया गया।

मेजर ध्यानचंद जयंती पर खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में बीते दिनों राष्ट्रीय खेल दिवस एवं मेजर ध्यानचंद जयंती के उपलक्ष्य में दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन बड़े उत्साह और उमंग के साथ किया गया। इस अवसर पर कुल चार प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें तीन टीम प्रतियोगिताएँ – बास्केटबॉल, वॉलीबॉल और रस्साकशी – तथा एकल प्रतियोगिता के रूप में शारीरिक फिटनेस चैलेंज (पुश-अप्स, स्क्वैट्स और रस्सी कूदना) शामिल थीं। इन प्रतियोगिताओं में लगभग 275 छात्रों एवं स्टाफ सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर अपनी प्रतिभा और खेल भावना का परिचय दिया। कार्यर्र म का औपचारिक उद्घाटन 29 अगस्त की शाम 4:30 बजे डीन ऑफ स्टूडेंट्स' वेलफेयर (DSW) द्वारा किया गया। इस अवसर पर महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। खेल समिति के सदस्य, विश्वविद्यालय परिवार के अधिकारी, शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारी तथा छात्र-छात्राएँ भी उपस्थित रहे। आयोजन के पहले दिन रस्साकशी, वॉलीबॉल और बास्केटबॉल प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। रस्साकशी में छात्र एवं छात्राओं दोनों की उत्साही भागीदारी ने समारोह की रोमांचकता को और बढ़ा दिया। वहीं दूसरे दिन वॉलीबॉल और बास्केटबॉल प्रतियोगिताओं के अंतिम चरण हुए, जिनमें खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल और टीम भावना का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आनंद भालेराव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि - खेल केवल शारीरिक क्षमता बढ़ाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व कौशल विकसित करने का सर्वोत्तम साधन है। पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भागीदारी विद्यार्थियों को जीवन में संतुलन और सफलता प्रदान करती है। समापन सत्र में गेम्स एंड स्पोर्ट्स कमेटी के सचिव डॉ. सुनील पुरोहित ने सभी प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और खेल भावना को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

शिल्पग्राम में 7 सितम्बर को नाटक 'मिथ्यासुर' का मंचन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर द्वारा आयोजित मासिक नाट्य संध्या 'रंगशाला' के अंतर्गत 7 सितम्बर को 'मिथ्यासुर' नाटक का मंचन किया जाएगा। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर के निदेशक फुरकान खान ने बताया की प्रति माह आयोजित होने वाली मासिक नाट्य संध्या रंगशाला के अंतर्गत उजागर ड्रामेटिक एसोसिएशन एवं वेद सतपथी, मुंबई द्वारा 'मिथ्यासुर' नाटक का मंचन रविवार 7 सितम्बर को सायं 7 बजे शिल्पग्राम स्थित दर्पण सभागार में किया जाएगा। नाटक के लेखक प्रणय पाण्डे एवं निर्देशक अजित सिंह पालावत है। यह नाटक सत्य और भ्रम, ज्ञान और अज्ञान के बीच जटिल अंतर्संबंधों के बारे में है - खासकर जब ये राज्य और धर्म की शक्तियों द्वारा आकार लेते हैं। कार्यक्रम में आमजन का प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

आईपीएस आदर्श सिधु होंगे पाली के नए पुलिस अधीक्षक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पाली। पाली जिले को नए पुलिस अधीक्षक मिल गए हैं। आईपीएस आदर्श सिधु अब पाली के नए एसपी होंगे। उनका तबादला नई दिल्ली से किया गया है। गौरतलब है कि पूर्व पुलिस अधीक्षक पूजा अवाना का कुछ दिनों पहले दिल्ली तबादला हो गया था। उनके बाद से यह पद खाली चल रहा था और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विपिन कुमार शर्मा को अतिरिक्त चार्ज दिया गया था।

राज्य सरकार ने हाल ही में जारी आदेशों के तहत आईपीएस आदर्श सिधु को पाली का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया है। आदर्श सिधु वर्ष 2012 बैच के अधिकारी हैं। इससे पहले वे नई दिल्ली में 12वीं बटालियन आरएसी में कमांडेंट के पद पर कार्यरत थे। अब वे पाली जिले में कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की जिम्मेदारी संभालेंगे। पाली जिले में बढ़ते अपराधों और पुलिस व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की चुनौती उनके सामने रहेगी। स्थानीय पुलिस अधिकारी और जवान नए एसपी के नेतृत्व में जिले में बेहतर पुलिसिंग की उम्मीद कर रहे हैं। जनता भी अपराध नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नए पुलिस अधीक्षक से बड़ी अपेक्षाएं रख रही है।

उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ की डिविजनल कॉन्सिल मीटिंग का आयोजन

सौरभ मंडल अध्यक्ष, पूर्व मंडल मंत्री महेश शर्मा को दी भव्य विदाई

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ के मंडल कार्यालय में डिविजनल कॉन्सिल मीटिंग का आयोजन किया गया। इस डीसीएम मीटिंग में उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ के जोनल महासचिव विनोद मेहता ओर जोनल अध्यक्ष एस आई जैकब भी उपस्थिति रहे। इस डीसीएम मीटिंग में मंडल कार्यकारणी का सर्वसम्मति से पुर्नगठन किया गया एवं पूर्व मंडल मंत्री महेश शर्मा को रेल सेवा से सेवानिवृत्त होंने पर भव्य विदाई दी गई। मंडल कार्यकारणी का गठन करते हुए अध्यक्ष सौरभ दीक्षित मंडल मंत्री दीपक वर्मा मंडल पदाधिकारी लोकेश कसाणा मोहन पुनिया मनीष शर्मा सुनील यादव प्रमोद डांगी प्रवीण चौहान नीलम जाटव को चुना गया।

मंडल कार्यकारणी का गठन सर्वसम्मति से हुआ। इस दौरान पुनः मंडल अध्यक्ष चुने गए सौरभ दीक्षित ने मीटिंग में सबका आभार व्यक्त किया और पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करने का वादा किया ओर नवनिर्वाचित मंडल कार्यकारणी को हमेशा साथ लेकर विश्वास बनाये रखने को बात रखी। मंडल प्रवक्ता अनिल चौधरी ने बताया कि संघ की पृष्ठभूमि रही है कि हमेशा प्रत्येक कार्य सदभावना पूर्ण भाव से किया जाए उसी क्रम में आज मंडल कार्यकारणी का गठन पूर्ण समर्थन के साथ हुआ एवं संघ हमेशा से ही मजदूर हितों के लिए संघर्षरत रहा है एवं आगामी समय में भी कर्मचारी हितों के लिए कार्य करना हमारी प्राथमिकता रहेगी। वर्तमान परिस्थितियों में जिस प्रकार सरकार ने हठधर्मिता पकड़ रखी है उसके खिलाफ हम सदा कर्मचारीहितों में खड़े है रेलों में निजीकरण को रोकना ओर पुरानी पेंशन बहाली हमारे प्रमुख मुद्दे है जिन्हें लेकर हम कर्मचारियों के साथ मिलकर संघर्ष के माध्यम से इस सरकार को हमारी मांगे मानने पर मजबूर कर देंगे। इस डीसीएम मीटिंग में संघ के शाखापधाधिकारी अनवर हुसैन याकत अली मंडल प्रवक्ता अनिल चौधरी मंडल मीडिया प्रभारी महेश शर्मा अर्जुन कुमावत देवेंद्र सिंह चौहान निरज मीणा नरसी मीणा निलम जाटव सुमन चौधरी जितेन्द्र सिंह गुर्जर राजेश जांगिड़ बबलू केसी पूरण सिंह शेखावत राहुल कुमार नरम चंद शर्मा पवन शर्मा मिठालाल मीणा बिमलेश मीणा भागचंद गुर्जर गुलाबचंद कैलाश मीणा राघवेंद्र सिंह किशनलाल मीणा सौरभ सिंह दिनेश कुमार सुरोलिया रामरतन मीणा अशोक कुमार सरदार मल सैनी अमर सिंह मीणा दिपक कुमावत मूलचंद मीणा जीताराम सुधीर उपाध्याय पवन सैन धारासिहं बाबूलाल मीणा धर्मेंद्र मीणा जगदीश शर्मा योगेश मीणा धानसिहं रामकरण मीणा भीमसिंह राधेश्याम देवकरण सीताराम मीणा मिठालाल लाल प्रजापत हेमराज रैगर तेजराम माली हरिमोहन मीणा विजेंद्र कुमार सोहनलाल मीणा शैलेन्द्र तिवारी धीरज जैमन सुशील वैष्णव रामदयाल बैरवा आदि सम्मानीय संघ के पदाधिकारी एंव सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एनएफआईआर के अधिवेशन को लेकर तैयारियों का जायजा लिया

इस दौरान जोनल महासचिव विनोद मेहता ने डीसीएम में अपनी बात रखते हुए नवनिर्वाचित कार्यकारणी को बधाई प्रेषित की ओर दिनांक 02 सितम्बर 2025 से 04 सितंबर 2025 तक दिल्ली में होने जा रहे एनएफआईआर के अधिवेशन को लेकर भी तैयारियों को जायजा लिया और अधिक से अधिक कर्मचारियों को चलने का आव्हान किया इस दौरान मंडल अध्यक्ष सौरभ दीक्षित ने पूर्णरूप से आश्वस्त करते हूए इस अधिवेशन को सफल बनाने की बात कही।

जयपुर @ जागरूक जनता। सुगंध दशमी के अवसर पर श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन पल्लीवाल मंदिर शक्ति नगर गोपालपुरा बायपास में सजी आचार्य श्री के सपनों का भारत की सजीव झांकी को देखते जैन समाज के प्रबुद्ध जन। **फोटो : अमित काला**

JITO चित्तौड़गढ़ यूथ विंग की नई कार्यकारिणी, युवाओं के लिए प्रेरणा का नया मंच

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (JITO) चित्तौड़गढ़ चैप्टर ने जैन समुदाय के युवाओं को सशक्त बनाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए यूथ विंग की स्थापना के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। इस अवसर पर आयोजित एक मीटिंग में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें रवि विराणी को अध्यक्ष, अक्षत पोखरना को सचिव और आदित्य ढीलिवाल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

मीटिंग में संस्था अध्यक्ष सोहन पोखरना,मुख्य सचिव रोशन लाल लोढ़ा और कोषाध्यक्ष ज्ञान मेहता ने JITO यूथ विंग के उद्देश्यों और गतिविधियों पर प्रेरक और विस्तृत जानकारी साझा की, जिसने युवाओं को इस मिशन से जुड़ने के लिए उत्साहित किया। JITO यूथ विंग का गठन युवाओं को आर्थिक, सामाजिक और नेतृत्व के क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिए किया गया है। इसका उद्देश्य युवाओं को कौशल विकास, रोजगार के अवसर और सामाजिक सेवा के माध्यम से समाज में योगदान देने के लिए प्रेरित करना है। JITO, जो वैश्विक स्तर पर जैन व्यवसायियों, उद्योगपतियों और पेशेवरों को एकजुट करता है, समुदाय के बीच सहयोग और समृद्धि को बढ़ावा देता है। यूथ विंग इस मिशन को अगली पीढ़ी तक ले जाने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करेगा और उन्हें समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित करेगा। नई कार्यकारिणी व्यवस्थित और प्रभावी ढंग से कार्य करेगी। अध्यक्ष रवि विराणी के नेतृत्व में, कार्यकारिणी युवाओं को अनुभवी पेशेवरों से मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करेगी। सचिव अक्षत पोखरना ने बताया कि नियमित कार्यशालाएँ, प्रशिक्षण सत्र और सामुदायिक गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। कोषाध्यक्ष आदित्य ढीलिवाल वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करेंगे ताकि सभी गतिविधियाँ सुचारू रूप से संचालित हों। कोषाध्यक्ष ज्ञान मेहता ने मीटिंग में JITO यूथ विंग के सामाजिक सेवा पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे युवा शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में योगदान दे सकते हैं। उनकी प्रेरक प्रस्तुति ने युवाओं को सामुदायिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। संस्था अध्यक्ष सोहन पोखरना ने कौशल विकास और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने युवाओं को तकनीकी और व्यावसायिक कौशलों से लैस करने की JITO की योजनाओं को रेखांकित किया। उनकी उत्साहपूर्ण प्रस्तुति ने युवाओं में नई ऊर्जा का संचार किया।

केन्द्र और राज्य सरकार नहीं करती मुद्दे पर बात-पायलट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा है कि चाहे केंद्र की मोदी सरकार हो या राज्य की भजनलाल सरकार ये मुद्दों पर बात नहीं करती। पायलट मंगलवार को यहां कांग्रेस विधायक दल की बैठक में शिरकत करने करने के अवसर पर मीडिया से रूबरू होते हुए यह आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इनका रवैया यही रहा है कि यह लोग मुद्दों पर बात नहीं करते हैं। आज प्रदेश में बाढ़ के हालात हैं, जनजीवन अस्त-व्यस्त है, किसानों को भारी नुकसान हुआ है और भी कई मुद्दे हम चाहते हैं कि इन मुद्दों पर सार्थक चर्चा होनी चाहिए, क्योंकि जनता ने विधानसभा में चुनकर भेजा है तो जनता चाहती है कि उनके मुद्दों पर सदन में सार्थक चर्चा हो लेकिन यह सरकार उन मुद्दों पर चर्चा नहीं करना चाहती है।

भाजपा जयपुर शहर की ओर से छोटी चौपड़ पर कांग्रेस के खिलाफ विशाल धरना प्रदर्शन

माँ के अपमान पर जयपुर भाजपा ने भरी हुंकार, फूंका पुतला

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भाजपा जयपुर शहर की ओर से मंगलवार को छोटी चौपड़ पर विशाल धरना व राहुल गांधी व तेजस्वी यादव पुतला दहन किया गया। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की पूज्य माता जी के लिए इस्तेमाल किए गए अपशब्दों के खिलाफ 3 घंटे चले इस धरने में भाजपा के सभी कार्यकर्ता विधायक व अन्य नेताओं ने अपने भाषण में राहुल गांधी व तेजस्वी यादव की तीखी आलोचना की। हजारों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उन्होंने भारत मां के जयकारे लगाए और राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी की।

जयपुर जिला अध्यक्ष अमित गोयल ने अपने जोशीले सम्बोधन में कहा कि राहुल गांधी द्वारा कहे गए अपशब्द केवल एक माता का नहीं, बल्कि समस्त मातृ शक्ति एवं भारतीय संस्कारों और संस्कृति का अपमान है। उन्होंने कहा कि माँ का अपमान कॉंग्रेस की पहचान है। मां के अपमान पर जयपुर की नारी चुप नहीं रहेगी। मां सीता का अपमान होने पर सोने की लंका को जला दिया गया। मां को भरी सभा में घसीटा गया, तो महाभारत हुई। एक बार फिर देश के प्रधानमंत्री की मां का अपमान हुआ है और यह प्रधानमंत्री की मां का नहीं, बल्कि हर भारतवासी की मां का अपमान है।

सनातन को मानने वाला चुप नहीं रहेगा। पुतला दहन के माध्यम से हम सभी को अपने अंदर की बुराई को मारना है और 2047 तक भारत को विकसित बनाना है। उन्होंने अपने भाषण से प्रत्येक कार्यकर्ता में जोश भर दिया और सभी को भारत माता के नारे लगवाए। धरने में जयपुर के विभिन्न कोनों से आई सैकड़ो की संख्या में नारी शक्ति भी उपस्थित रही। वे "मां का अपमान कांग्रेस की पहचान, "मां का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान" लिखित तख्तियों के साथ धरने में शामिल हुई। इस अवसर पर अनेक विधायक और वरिष्ठ नेताओं ने भी अपने भाषण में राहुल गांधी व तेजस्वी यादव की घोर निंदा की। इस अवसर पर सिविल लाइन से विधायक गोपाल शर्मा, हवामहल से विधायक बालमुकुंदचार्य जी, किशनपोल प्रत्याशी चंद्रमोहन बँटवाडा, महापौर कुसुम यादव, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, भाजपा के प्रदेश महामंत्री श्रवण बगड़ी, प्रदेश मंत्री अजीत माण्डन, प्रदेश कार्यालय मंत्री मुकेश पारीक, पूर्व विधायक मोहन लाल गुप्ता जी, महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री जयश्री गर्ग, प्रदेश मंत्री स्टेफी चौहान, अपूर्वा सिंह, राजस्थान राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, सहित अनेक पार्षद एवं मंडल अध्यक्ष, सही समस्त कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

वन राज्यमंत्री ने जयसमंद बांध व सिलीसेढ झील का किया दौरा

नटनी का बारां से जयसमंद झील तक के चैनल की विस्तृत डीपीआर करें तैयार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने जयसमंद बांध व सिलीसेढ झील का निरीक्षण कर बांध में जल की आवक के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस दौरान अलवर जिला कलक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला एवं सिंचाई विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

शर्मा ने निरीक्षण के दौरान सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जयसमंद बांध में पानी की आवक वाले चैनल नटनी का बारा से जयसमंद तक के चैनल की बजट घोषणा के अनुरूप चैनल की खुदाई, लेवलिंग एवं पक्का करने के कार्य की विस्तृत डीपीआर तैयार करें तथा सिलीसेढ झील के ओवरफ्लो पानी अपर कैनाल के माध्यम से जयसमंद बांध तक आता है, उस कैनाल की खुदाई व उसके चैनेलाइज करने के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि जल भराव व प्रवाह क्षेत्र पर चेतावनी बोर्ड व सुरक्षा गार्ड आदि लगवाए। इस दौरान वन राज्यमंत्री ने बख्तपुरा वन चौकी में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

जिला कलक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला ने निर्देश दिये कि वेस्ट वीयर चैनल के तेज बहाव व आवागमन क्षेत्र पर सिविल डिफेन्स के सुरक्षा गार्ड लगाए तथा पुलिस द्वारा इस क्षेत्र की निरन्तर गश्त की जाए। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण नदी, नालों, जलाशयों आदि में पानी की तेज प्रवाह के साथ आवक हो रही है, अतः ऐसी जगह प्रवेश नहीं करें।

इस दौरान सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता संजय खत्री, कनिष्ठ अभियन्ता नीरज शर्मा व संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

नुक्कड़ नाटक के जरिए बताए उक्त रक्तचाप के कारण, लक्षण, बचाव

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बांसवाड़ा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला स्वास्थ्य समिति (एनएचएम) बांसवाड़ा एवं विकल्प इंडिया सोसाइटी, जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में बांसवाड़ा जिले के ब्लॉक क्षेत्रों में उक्त रक्तचाप हेतु प्रचार-प्रसार नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आमजन को उक्त रक्तचाप के कारण, लक्षण, बचाव, उपाय की संपूर्ण जानकारी दे रहे है।

एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा मिलने वाली सुविधाओं के विषय में जानकारी उपलब्ध करवाई जा रही है, सोसाइटी के द्वारा प्रशिक्षित दलो एवं लोक कलाकारों के द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आवश्यक सेवाओं एवम चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग की कल्याणकारी योजनाओं के विषय में अधिक से अधिक जानकारी देने के लिए स्थानीय भाषा में नुक्कड़ नाटक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है, सोसाइटी के अध्यक्ष संजय कटारा द्वारा बताया गया की नुक्कड़ नाटक कलाकार द्वारा स्थानीय भाषा में प्रचार-प्रसार सामग्री, वाद्य यंत्रों द्वारा संपूर्ण वेशभूषा के साथ सजगता जिम्मेदारी से कार्य किया जा रहा है कलाकार बांसवाड़ा जिले के सभी ब्लॉक क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में प्रस्तुति देकर सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं, सोसायटी द्वारा कला जत्था के मूल्यांकन हेतु, परियोजना प्रबंधक प्रेम मेहरा को नियुक्त किया गया है।

बिना कार्य किये चस्पा हुई सूचना लाखों रूपये का कार्य करवाने का जिक्र

मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान में भ्रष्टाचार कि बू!

जबकि यह कार्य पूर्व में भी ग्राम पंचायत ने किया था पूर्ण

लाखों रूपये डकारने में खेल का हुआ खुलासा मचा हड़कंप

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

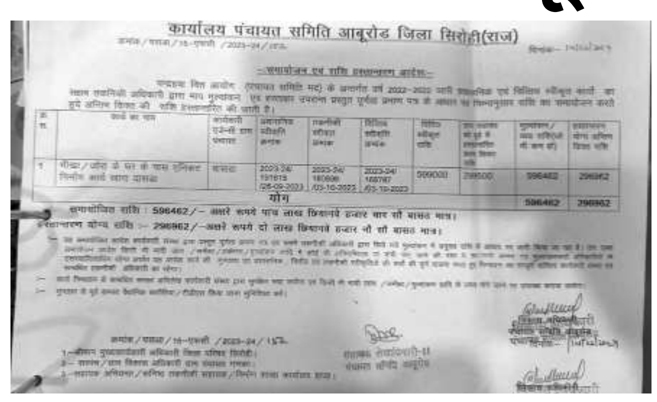
कार्यालय पंचायत समिति आबूरोड जिला सिरोही(राज)

सिरोही @ तुषार पुरोहित। जिले के आबूरोड क्षेत्र में मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के तहत बिना कार्य किये ही एनिकट निर्माण कि सूचना चस्पा करने का सनसनी खेज मामला सामने आया है। जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग, आबूरोड के नाम वासाडा गांव में एक जगह पर एनिकट निर्माण कि सूचना चस्पा कि गई है। जबकि यह कार्य पूर्व में भी करीब छः लाख कि लागत से ग्राम पंचायत वासाडा ने करवा दिया था। दरअसल वासाडा ग्राम पंचायत ने 2023-24 में करीब छः लाख रुपये की लागत से एक एनीकट निर्माण कराया था। लेकिन अब उसी जगह पर जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग आबूरोड, के नाम से सूचना चस्पा कर दी गई है। जिसमें यह बताया गया कि मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान के तहत एनीकट निर्माण किया गया है, और करीब दस लाख रुपये में यह कार्य हुआ। साथ ही महादेव कंस्ट्रक्शन कंपनी नागौर का नाम भी उसपर अंकित है।

विभाग ने किया इनकार, फिर किसने लिखी यह सूचना

जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग, आबूरोड के AEN प्रवीण कुमार ने स्पष्ट किया कि यह सूचना विभाग द्वारा नहीं लिखी गई और न ही इस कार्य का कोई भुगतान किया गया है। वहीं XEN ताराचंद शर्मा ने मामले की जांच का आश्वासन दिया।

विभागीय जिम्मेदारों कि कार्यशैली पर उठ रहे सवाल..?

यह सूचना विभाग के नाम किसने और किसके कहने पर लिखी ? जबकि मौके पर काम ही विभाग द्वारा नहीं किया गया फिर यह सब किसके संरक्षण में हुआ। यदि विभाग को इसकी जानकारी नहीं थी तो सूचना लिखवाने वाले के विरुद्ध अब तक कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं की गई? ऐसे में विभागीय जिम्मेदारों के मिलीभगत कि भी आशंका है! क्या यह सरकारी धन का दुरुपयोग करके स्वयं के जेब भरने की कोई कोशिश थी? यदि ऐसा नहीं था तो अभीतक विभाग इसपर खामोश क्यों है। सूचना लिखवाने वाले के विरुद्ध थाने में रिपोर्ट क्यों नहीं दी गई।

पिछले पांच वर्षो में हुये कार्यो कि हो जांच तो खुल सकते है कई राज!

यदि पिछले पांच वर्षों में आबूरोड पंचायत समिति के अधीनस्थ ग्राम पंचायत क्षेत्र में मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान और अन्य सरकारी योजनाओं में किए गए कार्यों की भी जांच की आवश्यकता है, ताकि किसी अन्य अनियमितता का पता चल सके। वास्तव में योजनाओं में काम हुआ है या यूंही राजकीय धन के दुरूपयोग करने का खेल कोई चला है। यदि इस पर राज्य सरकार गंभीरता दिखा करके जांच करवाये तो दूध का दूध व पानी का पानी हो सकता है।

विभाग में मचा हड़कंप

जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग के XEN ताराचंद शर्मा ने मामले पर संज्ञान लेते हुए पूरे मामले कि जांच करने की बात कही है। अब यह देखना बाकी है कि विभाग इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और यह खेल क्षेत्र में और कहाँ-कहाँ हुआ है। इसकी जांच भी करने कि आवश्यकता है। मामला सिर्फ एक एनीकट निर्माण का नहीं, बल्कि विभागीय जवाबदेही, पारदर्शिता और सरकारी धन के सही उपयोग का है। जांच पर अब सभी की निगाहें टिकी हैं।

ईश्वर, जीव और प्रकृति की वेदवर्णित अवधारणा

यतेन्द्र पाण्डेय
पत्रकार
@jagrukjanta.net

वेदों में ईश्वर, जीव और प्रकृति की अवधारणा एक महत्वपूर्ण विषय है, जो हिंदू धर्म के मूल सिद्धांतों को समझने में मदद करती है।

ईश्वर की अवधारणा-------------

वेदों में ईश्वर को परमात्मा, ब्रह्म या परमेश्वर के रूप में वर्णित किया गया है।

ईश्वर को सृष्टि का रचयिता, पालनकर्ता और संहारक माना जाता है।

वेदों में ईश्वर की महिमा और शक्ति का वर्णन है, जो सृष्टि के सभी जीवों और पदार्थों को नियंत्रित करता है।

जीव की अवधारणा----------

वेदों में जीव को चेतन, आत्मा या जीवात्मा के रूप में वर्णित किया गया है।

जीव को ईश्वर का एक अंश माना जाता है, जो सृष्टि के सभी जीवों में विद्यमान है।

वेदों में जीव के जन्म, मृत्यु और पुनर्जन्म की अवधारणा का वर्णन है, जो कर्म के सिद्धांत पर आधारित है।

प्रकृति की अवधारणा--------

वेदों में प्रकृति को सृष्टि, जगत या विश्व के रूप में वर्णित किया गया है।

प्रकृति को ईश्वर की रचना माना जाता है, जो जीवों के लिए एक निवास स्थान प्रदान करती है।

वेदों में प्रकृति के विभिन्न तत्वों का वर्णन है, जैसे कि पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश, जो सृष्टि के निर्माण और पालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वेदों में ईश्वर, जीव और प्रकृति के बीच संबंध-

वेदों में ईश्वर, जीव और प्रकृति के बीच एक गहरा संबंध वर्णित है, जो सृष्टि के निर्माण और पालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

ईश्वर को सृष्टि का रचयिता और पालनकर्ता माना जाता है, जबकि जीव और प्रकृति को ईश्वर की रचना माना जाता है।

वेदों में ईश्वर, जीव और प्रकृति के बीच एक संतुलन और सामंजस्य का वर्णन है, जो सृष्टि के निर्माण और पालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

लेखक अखिल भारतीय शहीद सुशील कुमार शर्मा फाउंडेशन (रजि.) के प्रदेश संयोजक है।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने "वॉयसेज़ ऑफ भारतः युवा फॉर सस्टेनेबिलिटी" अभियान के तीसरे न्यूज़लेटर का विमोचन किया

जयपुर @ जागरूक जनता। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने मंगलवार को जयपुर में "वॉयसेज़ ऑफ भारतः युवा फॉर सस्टेनेबिलिटी" अभियान के तीसरे न्यूज़लेटर का विमोचन किया। उन्होंने सितंबर के अंतिम सप्ताह में जयपुर में प्रस्तावित दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में भी आमंत्रण स्वीकार किया। डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने इस दौरान कहा कि सतत विकास समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। हमारे युवा इसके सशक्त वाहक बन सकते हैं। 'वॉयसेज़ ऑफ़ भारत : युवा फ़ॉर सस्टेनेबिलिटी' राजस्थान से शुरू होकर अब राष्ट्रीय आंदोलन बन रहा है। उन्होंने द्वितीय राष्ट्रीय युवा सस्टेनेबिलिटी सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं।

लोकदेवता बाबा रामदेवरा मेला 2025

लोक कलाकारों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जैसलमेर। देशभर में सुप्रसिद्ध लोक देवता बाबा रामदेवरा मेला 2025 के अवसर पर प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला कलक्टर जैसलमेर प्रताप सिंह के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत रामदेवरा के सहयोग से उपखण्ड अधिकारी पोकरण एवं रामदेवरा मेलाधिकारी लाखाराम चौधरी के मुख्य आतिथ्य एवं सरपंच ग्राम पंचायत रामदेवरा समंदरसिंह तंवर की अध्यक्षता एवं उप अधीक्षक पुलिस भवानीसिंह, सहायक निदेशक (जनसंपर्क) प्रवीण प्रकाश चौहान, उप सरपंच ग्राम पंचायत रामदेवरा खींवसिंह, तहसीलदार पोकरण हजाराराम भील विकास अधिकारी प.स. सांकड़ा एवं सहायक मेलाधिकारी रामदेवरा मेला हनुमान राम, ग्राम विकास अधिकारी चौथराम सौंलकी, ग्राम पंचायत के आम्बाराम एवं पीआरओ विभाग जैसलमेर के ओमपंवार के विशिष्ट आतिथ्य में जिले की अग्रगणीय सांस्कृतिक संस्थान, सुर संगम संगीत कला केन्द्र एवं मेला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में भादवासुदी नवमी को रामदेवरा मेला चौक स्थित ग्राम पंचायत रंगमंच पर जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर एवं पोकरण के अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लोक कलाकारों द्वारा बाबा की नगरी में रामसापीर की समाधि के दर्शन करने लाखों की तादाद में रामदेवरा पहुंचे श्रद्धालूगणों के मनोरंजन के लिए भव्य, मनोहारी एवं शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम का सफलतापूर्वक शांतिपूर्ण ढंग से आयोजन किया गया। सुर संगम संगीत कला केन्द्र के सचिव, उस्ताद मोहनखां ने बताया कि बाबा रामसापी की पावन धरा पर आयोजित हुई इस सांस्कृतिक सांझ में लोक कलाकारों ने बेहतरनी प्रस्तुतियां दी।

एमपीयूटी : 21वीं अनुसंधान परिषद की बैठक सम्पन्न

हर अनुसंधान का लाभ कृषक जगत को सुदृढ़ करने में होना चाहिए-कर्नाटक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर की अनुसंधान परिषद् की 21वीं बैठक सोमवार 01 सितम्बर, 2025 को अनुसंधान निदेशालय में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

इस अवसर पर वैज्ञानिकों को सम्बोधित करते हुए एमपीयूएटी के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय कृषि अनुसंधान में अग्रणी है। हमारे संस्थान ने मक्का, मूंगफली एवं अफीम की उन्नत नई किस्मों का विकास के साथ गुणवत्ता अनुसंधान प्रपत्रों, वैज्ञानिकों ने वर्ष 2023 एवं 2024 में 34 व्यक्तिगत सम्मान एवं 2 परियोजनाओं ने राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त करने के साथ एवं विभिन्न संस्थानों से समझौता हस्ताक्षर किये। कुलपति ने वैज्ञानिकों को अपने अनुसंधान कार्य को समय व हितधारक की आवश्यकतानुसार सृजित करने को कहा जिससे समाज के हर तबके जैसे कि उत्पादक, विपणनकताओं एवं उपभोक्ताओं को हमारे अनुसंधान लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि हमें अनुसंधान परियोजनाओं को विश्वविद्यालय की आय अर्जन की संभावनाओं को लक्ष्य बना कर करनी चाहिए साथ ही विश्वास जताया कि नई तकनीकियों एवं पेटेन्टस् के द्वारा विश्वविद्यालय की आय के साधन बढ़ेगें। डॉ. कर्नाटक ने कहा कि अनुसंधान परियोजनाओं के तकनीकी कार्यक्रम को राष्ट्रीय लक्ष्य को आधार मानते हुए करनी चाहिए एवं हर अनुसंधान का परोक्ष व अपरोक्ष लाभ राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, आधारभूत संरचनाओं, मांग आपूर्ति व कृषक जगत को सुदृढ़ करने में होना चाहिए। कुलपति ने बैठक विशेष आमंत्रित विशेषज्ञ डॉ. एस. के. शर्मा, सहायक महानिदेशक (मानव संसाधन) भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली एवं डॉ. उमा शंकर शर्मा, पूर्व कुलपति, मप्रकृप्रौविवि, उदयपुर का स्वागत किया।

इस अवसर पर डॉ. एस. के. शर्मा, सहायक महानिदेशक (मानव संसाधन) भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली ने कहा कि विश्वविद्यालय को अपने अन्तर्गत क्षेत्र के विशिष्ट कृषि उत्पादों के विकास व मूल्य संवर्धन पर विशेष प्रयास करने की आवश्यकता है जिससे क्षेत्र, उत्पाद के साथ-साथ विश्वविद्यालय की ख्याति पूरे विश्व में बढ़ेगी।

बैठक में आमंत्रित डॉ. उमा शंकर शर्मा, पूर्व कुलपति, मप्रकृप्रौविवि, उदयपुर ने कहा कि वर्तमान जलवायु परिवर्तन एक प्रमुख समस्या है जो अन्य फसलों के साथ-साथ उद्यानिकी फसलों, जैसे फल-फूल, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन आदि को प्रभावित कर रही है। जलवायु परिवर्तन के लिए तापमान प्रबंधन व मृदा में कार्बन स्तर में वृद्धि जैसे बिन्दुओं को ध्यान में रखना चाहिए। जल प्रबंधन पर विशेष ध्यान आकर्षण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समेकित प्रणाली में उद्यानिकी फसलें, विदेशी मशरूम खेती को सम्मिलित करना चाहिए और बाजार स्थिति को देखते हुए मशरूम खेती को वर्षभर करने की सलाह दी। डॉ. शर्मा ने स्थानीय सब्जियों पर उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना पर जोर दिया साथ ही शस्य वानिकी फसलों पर कार्य करने पर जोर दिया। बैठक के प्रारम्भ में अनुसंधान निदेशक डॉ. अरविन्द वर्मा ने माननीय कुलपति अजित कुमार कनार्टक, डॉ. उमा शंकर शर्मा, पूर्व कुलपति एवं डॉ. एस. के. शर्मा, सहायक महानिदेशक (मानव संसाधन) भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली का स्वागत किया। डॉ. वर्मा ने विगत 20वीं अनुसंधान परिषद् बैठक में लिये गये निर्णयों की अनुपालना रिपोर्ट एवं विश्वविद्यालय के गत 2 वर्षों में किये गए कृषि अनुसंधान पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। कृषि अनुसंधान केन्द्र, उदयपुर के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अमित त्रिवेदी, कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाड़ा के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. हरगिलास मीणा ने अपने क्षेत्र में किये जा रहे अनुसंधान कार्यों एवं परिणामों पर प्रस्तुतीकरण दिया।

बैठक में अनुसंधान निदेशालय के विभिन्न वैज्ञानिकगणों द्वारा लिखित बीज नीति बुलेटिन का विमोचन किया गया। बैठक में विश्वविद्यालय के निदेशक, सभी संघटक महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्रों के निदेशक, विश्वविद्यालय के परियोजना प्रभारी, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष एवं कृषि विभाग राजस्थान सरकार के अधिकारी उपस्थित थे।